राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तरुणमित्र

www.tarunmitra.in

श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

संपादक- स्वतंत्र कुमार

ठाणे- मुंबई से प्रकाशित

वर्ष - 18 ♦अंक- 130 ♦शनिवार 26 अप्रैल 2025 ♦मूल्य : 2 ♦पृष्ठ 8 महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार से प्रकाशित e-mail-tarun.thana@gmail.com

पाकिस्तानियों की पहचान कर उन्हें तुरंत वापस भेजें : अमित शाह

सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से की बात

एजेंसी, नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इस हमले के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने राज्यों में मौजूद पाकिस्तानियों की पहचान कर उन्हें तुरंत पाकिस्तान वापस भेजें। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फोन पर बात की और उन्हें कहा कि पाकिस्तानियों को उनके देश वापस भेजने में किसी भी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। यह कदम पाकिस्तान द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को किए गए आतंकवादी हमले के बाद उठाया गया है।

हमले का विवरण और पाकिस्तान से संबंध : 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 से ज्यादा पर्यटकों की मौत हो गई। बताया गया है कि इस कायराना कृत्य को करते हुए आतंकियों ने अपने शरीर पर बॉडी कैमरा लगाया हुआ था और पूरी घटना की रिकॉर्डिंग की थी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि यह हमला संगठित था और इसके तार पाकिस्तान से जुड़े थे।

सिंधु जल संधि स्थगित, कड़े कदम उठाए

हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े फैसले लिए हैं। सबसे पहला कदम सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया गया है। इस फैसले का पाकिस्तान पर व्यापक असर होगा, क्योंकि इससे पाकिस्तान के बड़े हिस्से में कृषि के लिए पानी की आपूर्ति प्रभावित होगी। भारत सरकार अब पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाने के लिए पूरी तरह से तत्पर है, और इस कड़ी कार्रवाई से पाकिस्तान को एक मजबूत संदेश भेजने का प्रयास किया जा रहा है।

सेना प्रमुख द्विवेदी श्रीनगर पहुंच एलओसी के मौजूदा हालात की ली जानकारी

एजेंसी, श्रीनगर । पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शुक्रवार को श्रीनगर पहुंचे। यहां सेना के कमांडर्स ने जनरल द्विवेदी को हालात और आतंकियों के खिलाफ सेना द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। सेना प्रमुख को एलओसी के मौजूदा हालात की भी जानकारी दी। बता दें शुक्रवार सुबह एलओसी पर पाकिस्तान की ओर से कुछ जगहों गोलीबारी हुई। भारतीय सेना ने इसका जवाब भी दिया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर आर्मी चीफ का यह दौरा काफी अहम है। भारतीय सेना प्रमुख यहां सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए शुक्रवार को श्रीनगर का यह दौरा कर रहे हैं। इस दौरान वह महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों पर जाएंगे। आर्मी चीफ की इस विजिट में उन्हें आतंकवादियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी दी जा रही है।

एलओसी पर दोनों तरफ से हुई फायरिंग, शुरुआत पाकिस्तान ने की

जम्मू । पाकिस्तान हमेशा ही सीजफायर का उल्लंघन करता रहा है। एलओसी पर आए दिन गोलीबारी करना उसका मकसद बन गया है। अब पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद सीमा पर तनाव बढ़ गया है। खबर है कि शुक्रवार को नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान ने गोलीबारी की है। हालांकि, इसे लेकर भारतीय सेना की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। इस गोलीबारी के बाद भारतीय पक्ष ने भी जवाबी गोलीबारी की है। दोनों तरफ से गोलीबारी होने की खबर है। एक अधिकारी ने कहा, पाकिस्तानी सेना ने छोटे हथियारों से सीमा पर गोलीबारी की है। हमारे सैनिकों ने जवाब दिया है। आगे की जानकारी जुटाई जा रही है। कोई जनहानि नहीं हुई है। खास बात है कि सीमापार गोलीबारी की यह घटना ऐसे समय पर हुई है, जब अटकलें हैं कि भारत की तरफ से सीमा पर जारी सीजफायर समझौता खत्म किया जा सकता है। खबरें हैं कि सरकार इसपर विचार कर रही है। फिलहाल, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति मुर्मू वेटिकन सिटी रवाना

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू के साथ पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए वेटिकन सिटी रवाना हुईं। प्रतिनिधिमंडल में अल्पसंख्यक मामलों और मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और गोवा विधानसभा के उपाध्यक्ष जोशुआ डी सूजा भी शामिल हैं। पोप फ्रांसिस का 21 अप्रैल को 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। पोप फ्रांसिस के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक संदेश में कहा, परम पावन पोप फ्रांसिस के निधन से बहुत दुखी हूं। दुख और स्मरण की इस घड़ी में, वैश्विक कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। पोप फ्रांसिस को हमेशा दुनिया भर के लाखों लोग करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में याद करेंगे। छोटी उम्र से ही उन्होंने प्रभु ईसा मसीह के आदर्शों को साकार करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया था। उन्होंने गरीबों और वंचितों की लगन से सेवा की।

हटाओ इरला नाले के पास से अतिक्रमण, हाई कोर्ट का मुंबई मनपा को आदेश

मुंबई। बांबे हाई कोर्ट ने मुंबई महानगरपालिका को विलेपार्ले के जुहू पीवीआर के सामने इरला नाले के पश्चिमी व पूर्वी किनारों पर अतिक्रमण हटाने और सर्विस रोड को बहाल करने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट में विले पार्ले में जुहू पीवीआर के सामने इरला नाले के पश्चिमी और पूर्वी किनारे पर सर्विस रोड पर अतिक्रमण हटाने, सर्विस रोड के जीर्णोद्धार और नाले की सफाई की मांग को लेकर एक सामाजिक कार्यकर्ता ने जनहित याचिका दायर की थी। मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति मकरंद कार्णिक की पीठ के समक्ष इस याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि वह नाले के पश्चिमी और पूर्वी किनारों पर अतिक्रमण हटाने के संबंध में पिछले आठ वर्षों से मनपा से संपर्क कर रहा है। मनपा की ओर से अदालत को बताया गया कि नाले के पश्चिमी किनारे पर अतिक्रमण हटाने का काम चल रहा है और यह काम जल्द ही पूरा हो जाएगा। जल्द सर्विस रोड को बहाल कर दिया जाएगा। याचिकाकर्ताओं ने नाले के पूर्वी किनारे पर अतिक्रमण का मुद्दा भी अदालत के ध्यान में लाया। मनपा की ओर से बताया गया कि नाले के पूर्वी किनारे पर झुग्गी पुनर्वास (एसआरए) योजना के तहत एक परियोजना क्रियान्वित की जा रही है।

आतंकवाद की लड़ाई के खिलाफ पूरा विपक्ष केंद्र सरकार के साथ : राहुल गांधी

एजेंसी, श्रीनगर

कांग्रेस और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम में हुई आतंकी घटना के जवाब में पूरा विपक्ष सरकार के साथ मजबूती से खड़ा है। इस घटना में दो दर्जन से ज्यादा लोग मारे गए और कई घायल हो गए। जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा और वरिष्ठ कांग्रेस नेता गुलाम अहमद मीर के साथ श्रीनगर में मीडिया को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि कल हमारी सरकार के साथ बैठक हुई थी। विपक्ष ने इस हमले की निंदा की और सरकार की हर कार्रवाई को पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। आज सुबह श्रीनगर पहुंचे गांधी ने पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त की और कहा कि हमले के पीछे समाज को विभाजित करने की मंशा थी। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हर एक भारतीय

एकजुट हो। हमें आतंकवादियों की कोशिशों को हराना होगा। अपने कश्मीर दौरे के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पहलगाम हमले में घायल लोगों से एक से मुलाकात की। राहुल गांधी ने कहा कि उन सभी लोगों को मेरा प्यार और स्नेह, जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया है।

महाराष्ट्र में पाकिस्तानियों को 48 घंटे में बाहर निकाल दिया जाएगा : फडणवीस

तरुणमित्र, ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र में पाकिस्तानियों की पहचान का तेज गति से शुरु है, उनकी पहचान कर सभी को 48 घंटे में बाहर निकाल दिया जाएगा। यह जानकारी मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर दी है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द करने का निर्णय लिया है। हमने तुरंत उनकी लिस्ट प्राप्त की है। महाराष्ट्र में उनकी पहचान की जा रही है। पुलिस स्टेशनों को सूचना दी

गई है। कोई भी नागरिक पाकिस्तानी वीजा लेकर 48 घंटे से ज्यादा महाराष्ट्र में ना रुके हमने इसके प्रयास शुरू किए हैं। हम पूरी तरीके से निगरानी करेंगे एवं उनको बाहर निकालेंगे। जो लोग ज्यादा रुकेंगे। उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दरअसल जम्मू कश्मीर के पहलगांव में आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े फैसले लेना शुरु कर दिया है। इसके तहत ही देश में रह रहे पाकिस्तानियों को बाहर निकालने का निर्णय लिया गया है। फडणवीस ने महाराष्ट्र में रहने वाले पाकिस्तानियों के खिलाफ कार्रवाई की शुरुआत कर गई दी है।

सातारा में पाकिस्तानी झंडे का स्टेटस लगाने से तनाव

मुंबई । सातारा जिले में पाकिस्तानी झंडे का सोशल मीडिया पर स्टेटस लगाने से शुक्रवार को तनाव उत्पन्न हो गया। वाई पुलिस स्टेशन ने तत्काल इस संबंध में मामला दर्ज करके आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है। सातारा जिले में इस घटना के बाद पुलिस सतर्क हैं और इलाके में तनाव पूर्ण शांति है। पुलिस के अनुसार पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सातारा जिले के वाई में रहने वाले शुभम कांबले नामक युवक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के स्टेटस पर पाकिस्तानी झंडा लगा दिया था। इतना ही नहीं, शुभम ने भारत के बारे में आपत्तिजनक सामग्री भी पोस्ट की थी। इस घटना से शुभम के गांव और आस-पास के इलाके में तनाव का माहौल पैदा हो गया। इस पोस्ट का पता चलते ही शुभम के दोस्त ने वाई पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

वीर सावरकर मामले में हुई सुनवाई, सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को दी नसीहत

- कहा -स्वतंत्रता सेनानियों का मजाक न उड़ाएं, भविष्य में ऐसी टिप्पणी मत करना

एजेंसी, नई दिल्ली

स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट ने नसीहत दी है। शुक्रवार को कोर्ट ने राहुल गांधी से कहा कि वीर सावरकर जैसे लोगों ने हमें आजादी दिलाई और आप उनके साथ इस तरह का बर्ताव करते हैं। कोर्ट ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से कहा कि भविष्य में कभी ऐसी टिप्पणी मत करना, नहीं तो कोर्ट स्वतः संज्ञान ले सकती है। वीर सावरकर पर राहुल गांधी की माफीवीर वाली टिप्पणी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि स्वतंत्रता

सेनानियों का मजाक न उड़ाएं। पीठ ने राहुल गांधी के वकील से पूछा कि क्या राहुल गांधी को पता है कि महात्मा गांधी ने भी अंग्रेजों से संवाद में खुद के लिए आपका वफादार सेवक शब्द का इस्तेमाल किया था। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि वीर सावरकर को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणी गैरजिम्मेदाराना थी। हालांकि कोर्ट ने इस मामले में राहुल गांधी को राहत दी है। पीठ ने सावरकर के खिलाफ टिप्पणी को लेकर मानहानि मामले में राहुल गांधी के खिलाफ जारी समन रद्द करने से इनकार करने वाले इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है।

पाकिस्तान के एयरस्पेस पर रोक से अब वैकल्पिक मार्गों से संचालित होंगी भारतीय एयरलाइंस

- नए रूट लंबे होने से परिचालन लागत में होगी वृद्धि, हवाई किराया भी बढ़ेगा

एजेंसी, नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान ने भारतीय विमान कंपनियों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। इसके बाद देश की प्रमुख एयरलाइंस, विशेष रूप से इंडिगो और एयर इंडिया के अधिकारियों ने पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र से होकर गुजरने वाली सभी उड़ानों के वैकल्पिक मार्ग तलाशने के लिए आंतरिक बैठक की। मीडिया रिपोर्ट में एक एयरलाइन के अधिकारी ने बताया कि विशेष रूप से यूरोप और अमेरिका के लिए नए रूट लंबे होंगे जिससे हमारी परिचालन लागत में वृद्धि होगी और हवाई किराया बढ़ जाएगा। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा कि उत्तर भारत से संयुक्त अरब अमीरात के लिए एयरलाइन की उड़ानें अब वैकल्पिक मार्गों से संचालित होंगी। नतीजतन, इन विमानों में उड़ान के लंबे समय को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त ईंधन रखना होगा। प्रवक्ता ने कहा कि स्पाइसजेट के उड़ान कार्यक्रम पर कोई महत्त्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा। एयरलाइन के अधिकारी ने कहा कि पुलवामा हमले के बाद 2019 में भारतीय विमान कंपनियों को करीब पांच महीने तक ऐसी ही स्थिति का सामना किया था। अगर अब भी हवाई क्षेत्र इतने ही समय तक बंद रहता है, तो काफी वित्तीय बोझ पड़ेगा। एयर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तानी रास्ता बंद होने के बाद उसके विमान अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप के अन्य देशों और पश्चिमी एशिया के लिए वैकल्पिक मार्गों से जाएंगे। इंडिगो ने भी कहा कि उसकी कुछ उड़ानें प्रभावित होंगी और यात्री दोबारा टिकट बुक कर सकते हैं। 14 फरवरी, 2019 को हुए पुलवामा आतंकी हमले में 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए थे। जवाबी कार्रवाई में भारतीय वायु सेना ने 26 फरवरी को पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविरों पर हवाई हमले किए थे।

हमें बुराई को खत्म करने के लिए दिखानी होगी ताकत : मोहन भागवत

तरुणमित्र, ब्यूरो

मुंबई । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद देशवासी गुस्से में हैं। नफरत और दुश्मनी हमारा स्वभाव नहीं है, लेकिन लड़ाई धर्म और अधर्म के बीच है। हमें बुराई को ख़त्म करने के लिए ताकत दिखानी होगी। ताकत होने और उसकी जरूरत पड़ने पर इसका इस्तेमाल भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है यह दिखाने का कि हमारा देश कितना शक्तिशाली है। हम सबके दिलों में दर्द है। सभी भारतीय जाग चुके हैं। ऐसे हमलों को रोकने के लिए समाज में एकता जरूरी है। डॉ. भागवत विलेपार्ले के दीनानाथ थिएटर में गुरुवार रात को आयोजित चौथे लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उदाहरण देते

हुए कहा कि रावण भगवान शिव का भक्त था लेकिन उसके आसपास कुछ ऐसी चीजें थीं जिन्हें समझाया और सुलझाया नहीं जा सका। इसीलिए भगवान राम को उसका वध करना पड़ा। कुछ लोग ऐसे हैं जिन्हें समझाने से कोई समस्या हल नहीं होगी। उन्हें सबक सिखाया जाना चाहिए। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि अगर हम एकजुट हो जाएं तो कोई भी हमारी तरफ बुरी नजर से देखने की हिम्मत नहीं कर सकेगा। किसी से नफरत या शत्रुता रखना हमारे स्वभाव में नहीं है, लेकिन चुपचाप नुकसान सहना भी हमारे स्वभाव में नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें केंद्र सरकार से मजबूत प्रतिक्रिया की उम्मीद है और उन्हें विश्वास है कि यह उम्मीद पूरी होगी। डॉ. भागवत ने कहा कि धर्म की जड़ हमारे हृदय में है। दुनिया में केवल एक ही धर्म है- मानवता का धर्म, जिसे आजकल हिंदू धर्म कहा जाता है। संप्रदाय के अनुशासन का पालन सभी को करना पड़ता है और इसमें थोड़ी कट्टरता भी होती है।

संक्षिप्त समाचार

फसल चक्र को अपनाकर अधिक उत्पादन ले किसान, डॉ हरदयाल एका ग्राम में संपन्न हुई गोष्ठी

बाप, फलोदी अखेराज

ग्राविस उप केंद्र कलरा में संचालित आई डब्ल्यू एफ एस परियोजना के तहत एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन हुआ। फील्ड सुपर वाइजर कमला भील ,सुपरवाइजर हीरालाल,नारायणलाल ने बताया कि इस परियोजना का 15 गावो में कार्य चल रहा हे।

काजरी के वैज्ञानिक डॉ हरदयाल ने उपस्थित वोपा टीम लीडर के किसानों से कहा कि किसान उन्नत किस्म के बीज का प्रयोग करे।उन्होंने कहा कि फसल चक्र अपना कर हम अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।किसान हर बार अपने खेतों में एक ही फसल लेता है जिससे हमें नुकसान होता है।फसल चक्र अपनाना चाहिए।हमें जैविक खेती की तरफ ध्यान देना चाहिए।सरकार खेती के लिए उपकरणों की खरीद पर अनुदान भी देती। कृषि विभाग से संपर्क कर हमें लाभ लेना चाहिए।उन्होंने वृद्धजनों से पुस्तैनी खेती के गुर सीखने की हिमायत करते कहा कि खेतों में जल संग्रह के लिए खड़ीन,धोरे बांध कर वर्षा जल को सहेजना जरूरी है। वृद्धजन स्वास्थ्य रहे इसके लिए प्रोटीन युक्त भोजन ले।हरदयाल ने खा की वृद्धजनों को जो अधिकार दिए उनकी जानकारी होनी चाहिए। वोपा लीडर उनकी पैरवी करे।इस गोष्ठी में 35 किसानों की भागीदारी रही।यह थे उपस्थित कमलेश,अकबर, ललित कुमार, अदीस, जोगाराम आदि।

पहलगाम में हुए आतंकी को लेकर काली पट्टी जताया विरोध

अमरपुरी गोस्वामी दादाई

पाली । कश्मीर घूमने गए सैलानियों पर आतंकियों द्वारा बेरहमी से गोलियां बरसाकर करीब 27 लोगों को मौत के घाट उतार देने की घटना के विरोध मे गुरूवार को निकटवर्ती गॉव बोमादडा के ग्रामीणो एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के स्टाफ ने काली पट्टी बांध विरोध जताया। तेज सिंह पंवार ने बताया कि पहलगाम में अमानवीय घटना को अंजाम देने वाले आतंकियों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करे ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओ की पुनरावृति नही हो । उन्होने आरोपियो को सख्त से सख्त सजा दिलवाने की मांग की। इस मौके पर प्रधानाचार्य दीपक भाटी ,तेजसिंह पवार ,परमेश्वर लाल ,अरुणा चौहान, मोहनलाल ,इंद्रसिंह राजपुरोहित,विमला कुमावत, ममता लश्करी, मोहनलाल गहलोत, उमा राजपुरोहित, शोभा परिहार ,विजय कुमार चौधरी, गौरव शिवनानी ,तरुण त्रिवेदी ,वेनाराम , विक्रमसिंह ,नाथूराम, गणेशराम चौधरी समेत विद्यालय स्टाफ एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

विधा भारती द्वारा आयोजित अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परिक्षा परिणाम शत प्रतिशत होने पर संस्था प्रधान का अभिनंदन किया

अमरपुरी गोस्वामी दादाई

नाडोल। विद्या भारती द्वारा आयोजित अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में सरस्वती उच्च प्राथमिक विद्यालय दादाई एव बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय दादाई का शत प्रतिशत रिजल्ट रहने पर प्रधानाचार्य को सम्मानित किया गया। विकास गहलोत दादाई ने बताया कि विद्या भारती द्वारा द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया जाता है, जिसमें सरकारी एव गैर सरकारी विद्यालय भाग लेते है । दादाई के दोनों विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहने पर प्रधानाचार्य मालाराम एव प्रधानाचार्य इन्द्र सिंह राणावत को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जिसमें उदय सिंह चंपावत , खिमसिंह राणावत ,आजाद भाटी ,राकेश , अनिल लालाराम सभी अध्यापकगण साथ रहे।

पंचायतीराज दिवस स्वराज संवाद मनाया

दैनिक तरुणमित्र ब्यूरो

पाली-24, अप्रैल, राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन जिला पाली द्वारा आज पाली जिलें के रूपावास ग्राम पंचायत में राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल की अध्यक्षता में संगोष्ठी का आयोजन कर मनाया गया। जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल ने बताया कि पाली जिलें के रूपावास ग्राम पंचायत में रोहट ब्लॉक एवं पाली देहात ब्लॉक के संयुक्त तत्वावधान में एक विचार गोष्ठी जन प्रतिनिधियों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ आयोजित की गई जिसमें बताया कि पंचायतीराज की स्थापना 2 अक्टूबर 1959 को हुई थी। ये दिन महात्मा गांधी के जन्मदिन के अवसर पर चुना गया था। राजस्थान के नागौर जिलें में तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा इनकी शुरूआत की गई। भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सोच थी कि देश की आत्मा गांव में बसती है और गांवों से ही विकास शुरू होने से देश आगे बढ़ेगा और उस सोच का आज तमाम बजट का कार्य ग्राम पंचायतों के माध्यम से हो रहा है। उस समय पंचायतों में हाथ खड़े कराकर वार्ड पंच, सरपंच और प्रधान द्वारा जिला प्रमुख का चुनाव किया जाता था, जिसकी व्यवस्था सुधारने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी ने 73वां संविधान संशोधन अधिनियम जिसमें पंचायतीराज व्यवस्था को संवैद्यानिक दर्जा दिया गया, जो 24 अप्रैल 1993 को लागु हुआ। इस संशोधन के माध्यम से एक नया भाग 9 और 11वीं अनुसूची जोड़ी गई। यह दिवस राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज महिला, ओ.बी.सी., एस.सी./एस.टी., सामान्य वर्ग सभी को नियमानुसार चुनाव लड़ने का मौका मिलरहा है और इस पंचायती राज में सभी की भागीदारी सुनिश्चित की गई, जिसमें विधायक, सांसद, राज्यसभा, केन्द्र व राज्य सरकार का तमाम योजनाओं का बजट पंचायतों के माध्यम से गांवों में और वार्डो में विकास कार्य हो रहे है। पंचायतों को सरकार के 29 विभागों का कार्य करने का अधिकार प्राप्त है। आज पंडित जवाहरलाल नेहरू और राजीव गांधी कासपना साकार हो रहा है और पंचायतीराज कीतमाम योजनाऐं जन-जन तक पहूंच रही है। इस बैठक में रोहट ब्लॉक अध्यक्ष सदाराम विश्नोई, पाली देहात ब्लॉक अध्यक्ष चिमनाराम भाटी, गोविन्द बंजारा, जसाराम भाट, मोहनलाल घांची, ओगड़राम लौहार, बींजाराम भाटी, भीकाराम मेघवाल, मंगलाराम पन्नू, तेजाराम बंजारा, भंवरलाल मेघवाल, नरेश खारवाल, घीसाराम, सवाराम मेघवाल जवड़िया, मांगीलाल हेमावास, मनोज मीणा, हिम्मताराम मेघवाल, मिश्रीलाल भांवरी, वोताराम पटेल, कालूसिंह चारण, वेलाराम पटेल जैतपुर, मांगीलाल, मंगलाराम पटेल आदि अनेक संगठन के कार्यकर्ता, जन प्रतिनिधि एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जवाली स्टेशन पर रेलगाड़ी ठहराव को लेकर विधायक ने दिया महाप्रबंधक को ज्ञापन

अमरपुरी गोस्वामी दादाई

रानी । मारवाड़ क्षेत्र का गौरव जवाली कस्बा आज भी सैकड़ो गांव के बीच बसा हुआ गांव है परंतु फिर भी रेल लाईन से जुड़े जवाली रेलवे स्टेशन पर 24 घंटे में मात्र एक पैसेंजर रेलगाड़ी का लाभ ही मिल पा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ के रानी रेलवे स्टेशन पहुंचने पर मारवाड़ जंक्शन विधायक केसाराम चौधरी ने जवाली रेलवे स्टेशन पर रेलगाड़ियों के ठहराव को लेकर ज्ञापन दिया । विधायक ने बताया कि जवाली को ग्रीन रेलवे स्टेशन के नाम से पहचाना जाता हैं। जवाली के प्लेटफार्म एक व दो पर दोनों तरफ वृक्ष लगा रखे हैं, जो हरियाली के नाम से पहचान रखते हैं। शहरनुमा जवाली गांव से जुड़े हजारों प्रवासी मुंबई व और दक्षिण भारत के प्रमुख शहर अहमदाबाद, सूरत, वापी, नासिक, पुणे, चेन्नई , बेंगलुरु ,कर्नाटक, हैदराबाद, हुबली आदि बड़े शहरों में अनेकों व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। हजारों प्रवासियों का रोजाना मारवाड़ क्षेत्र व विशेषकर जवाली में आना जाना लगा रहता हैं । जवाली रेलवे स्टेशन पर एकमात्र पैसेंजर रेलगाड़ी है जिसकी वजह से हजारों प्रवासियों को मजबूरी वश स्वयं की गाड़ी किराए करके या फालना ,रानी , सोमेसर स्टेशन पर ठहराव करने वाली रेलगाड़ियों से पहुंचकर अधिक किराए देकर वाहन किराए पर कर जवाली पहुंचना पड़ता है। विधायक चौधरी ने इस मौके पर जवाली क्षेत्र से जुड़े जवाली के पूर्व उप सरपंच गमनाराम चौधरी, समाज सेवी उत्तम गांधी, वीरम सिंह राजपुरोहित, नारायण राम सिसोदिया, पूनम चंद मेवाड़ा, सुरेश वन गोस्वामी, वनाराम चौधरी के साथ महाप्रबंधक से यह मांग रखी कि लंबी दूरी की गाड़ियों में लालगढ़ दादर रणकपुर एक्सप्रेस ,, पुणे से भगत की कोठी अहिंसा एक्सप्रेस, जोधपुर बेंगलुरु एक्सप्रेस , अजमेर मैसूर एवं दौलतपुर साबरमती इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव जवाली में किया जाए।

पहलगांव हमला एक मानव समाज पर हमला : डॉ दिनेश सिंह राज पुरोहित

कर्मपालसिंह सवाली

अहमदाबाद, गुजरात। गुजरात अहमदाबाद में राजपुरोहित समाज द्वारा पहलगांम में निहत्ते पर्यटकों पर आंतकवादी हमला ये एक दिल को दहला देने वाली अमानवीय घटना है जिस घटना में मारे गए बेकसूर लोगों को राजपुरोहित समाज के सामाजिक देश भक्त डॉ दिनेशसिंह राजपुरोहित श्रवणसिंग राजपुरोहित श्यामसिंग प्रवीणसिंह (उमिया हैंडलूम)जगदीशसिंह (घोड़ावत)प्रवीणसिंह (शिवतलाव) श्रवणसिंह (मोराई)इन्द्रसिंह (मोदरा) कैलाश सिंह पंकज सिंह ने बकसूर मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और घायल है उन्हें भगवान स्वास्थ को जल्दी ठीक हो सके इसके लिए ईश्वर से प्रार्थना की राजपुरोहित समाज द्वारा जो पर्यटक मारे गए हैं उनके परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए जिससे उनके परिवार को इस दुख की घड़ी में मदद मिल सके और ये आंतकी घटना को अंजाम देने वाले मानवता के हत्यारों को नेसता नाबूद किया जाए और जो देश इस समग्र मानव जाति का हत्यारा है उस देश पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध लगाकर उसकी आर्थिक कमर तोड़ने का काम करना चाहिए जिससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक विकास रुक जाने से अपने आप कमर टूट जाए जिससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग थलग हो जाए और फिर देश के निर्दोष नागरिकों की मौत का बदला लिया जाए जिससे ऐसे आंतकवादी देश फिर अपनी गंदी मानसिकता की वजह से किसी भी देश के साथ इस तरह का मानवीय सहार करने से पहले सो बार सोचे ऐसा अंतराष्ट्रीय स्तर पर करना चाहिए ।

देश के अंदर बढ़ते उग्रवाद से देश को खतरा : कांग्रेस

कार्यकारी सम्पादक कर्मपालसिंह सवाली

पाली/सादड़ी। 24 अप्रैल 2025 गुरुवार को शाम के 6:00 बजे डाक बंगला सादड़ी में नगर कांग्रेस सादड़ी के नेतृत्व में श्रद्धांजलि समारोह रखा गया। निर्वतमान अध्यक्ष नगर कांगैस कमेटी सादड़ी व नेता राकेश रेखाराज मेवाड़ा ने कहा जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 27 पर्यटको को गोलियों से छलनी कर पूरे देश में दहशत फैलाने का आतंकियों ने जो कृत्य किया है उसकी हम निशब्द शब्दो मे निंदा करते है। कांग्रेस बांसवाड़ा परिवेशक मेवाड़ा ने आज श्रद्धांजलि समारोह के समय इस दुख की घड़ी में वहां पर शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सुबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा व इस आयी व बहरी सरकार से माँग करते है कि दोषियों को जल्द से जल्द पकड़कर फाँसी की सजा दी जाए जैसे कांगैस सरकार ने अफ़ज़ल गुरु को दी थी तभी सभी की आत्माओं के दिल में ठण्डक पड़ेगी पुलवामा में जिस आरडीएक्स से सेना के जवानों को मारा गया था जिसमें पचास से ज़्यादा जवान शहीद हुऐ थे आज दिन तक यह सरकार पता नहीं लगा सकी कि वो आरडीएक्स कंहा से आया था व इस घटना में किसका हाथ था न आतंकवादी पकड़े गये न ही सेना के जवानों का मनोबल बढ़ाया गया जैसे ही यह घटना हुई ओर पुरे हिन्दुस्तान वापस सरकार बनाने का ढोल पिटने लगे इन लोगौ की करनी व कथनी में फ़र्क़ है इस कृत्य की जितनी भर्त्सना कि जाये कम है । इस श्रद्धांजलि समारोह में कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

मण्डावर सरपंच प्यारी कुमारी ने की नई दिल्ली में शिरकत

कार्यकारी सम्पादक कर्मपालसिंह सवाली

राजसमन्द, राजस्थान। राजसमन्द जिले के भीम ब्लॉक की ग्राम पंचायत मण्डावर प्रशासक (सरपंच) प्यारी कुमारी चौहान ने नई दिल्ली के इंडियन हैबिटेड सेंटर में जल शक्ति मंत्रालय व क्वॉलिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित सरपंच संवाद कार्यक्रम में शिरकत की। पंचायती राज समारोह के उपलक्ष में आयोजित समारोह ' लीडरशिप फ़ॉर स्वच्छ एंड सुजल ग्राम ' थीम पर देशभर के 150 से अधिक ग्राम पंचायतों से सक्रिय सरपंचो का चयन कर किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल, क्वॉलिटी काउंसिल ऑफ इंडिया चेयरमैन जक्सय शाह ने सरपंचो से सीधा संवाद किया। इस अवसर पर देशभर में विशिष्ट पहचान कायम करने वाले सरपंचो ने अपनी कामयाबी की कहानी को प्रदर्शित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों के भारत को विकसित करने के लिये गांवो के समुचित विकास की शपथ ली। समारोह में देश भर नामी सरपंच भक्ति शर्मा, श्याम सुंदर पालीवाल, हिमांशु पटेल, मीनू क्षेत्री, जगनाल आदि ने शिरकत की। जलशक्ति मंत्री बोले राजस्थानी हो आप मण्डावर सरपंच प्यारी कुमारी ने जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात के दौरान राजपूती राजस्थानी ड्रेस पहने देख खुश हुए और बोले सबसे अलग दिख रहे हो। बोले- "आप राजस्थानी हो " । इस दौरान सरपंच ने संक्षिप्त में मण्डावर विकास की बात बताई। 60 से अधिक एनीकट बनाये, नया रिकॉर्ड बनाया बंगाल की खाड़ी व अरब सागर जल विभाजक रेखा पर स्तिथ अरावली पहाड़ियों से गिरे ग्राम मण्डावर की सरपंच प्यारी कुमारी के ने पिछले दस सालों में 60 से अधिक पक्के एनीकट बनाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिससे भूजल स्तर में काफी सुधार हुआ है। पहले यह जल पहाड़ी ढलान होने के कारण दोनों ओर व्यर्थ बहकर चला जाता था। जिसे पहाड़ी की ऊंचाई से निचले स्तर तक एनीकट बनाकर रोका जिससे दोहरा लाभ मिला है। निर्माण कार्य से स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार का सृजन हुआ तथा पानी का ठहराव होने से जमीन में रिचार्ज का काम किया है।

कश्मीर में हुए कायराना आतंकी हमले के विरोध में निकाली गई रैली

कर्मपालसिंह सवाली

लखनऊ : काकोरी लखनऊ शुक्रवार पहलगाम ,जम्मू में हुए आतंकी हमले के विरोध में अनादि सेवा समिति एवं हिन्दू जन सेवा समिति के संयुक्त कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों के साथ क्षेत्रीय लोगों ने भी पद यात्रा में भाग लिया। सभी लोगों ने हाथ में काली पट्टी बांधकर इस घटना पर विरोध जताया और अपनी जान गंवाने वाले लोगों को कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी।अनादि सेवा समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम श्रीवास्तव ने गहरा दुख जताते हुए कहा कि यह एक बहुत ही कायराना हरकत है जिसे देश कभी माफ नहीं करेगा। जो बच्चे हंसी खुशी अपने जीवन के अनमोल पल वहां बिताने गए थे, कोई अपने वैवाहिक जीवन को,कोई जन्म दिन को यादगार बनाने वहां पहुंचा था उसे इन कायर आतंकियों ने कलंकित यादगार बना दिया।आखिर इस तरह की बर्बरता पूर्ण हत्या कर के,किसी मां की गोद सुनी कर के या सुहाग उजाड़कर उन्हें मिलता क्या है।आज नहीं तो कल हमारी सेना के जवानों द्वारा इन्हें भी मारना ही होगा और अपने पीछे कलंकित नाम के अतिरिक्त क्या छोड़ जाएंगे। हालांकि इस घटना ने हमें बेहद पीड़ा दी है परन्तु अगर आतंकियों और उनके आकाओं को लगता है कि हम डर जाएंगे तो यह उनकी बहुत बड़ी भूल है।हर भारतवासी के अंदर इस तरह की घटनाओं का सामना करने की बहुत हिम्मत है।महासचिव दिनेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि हम सरकार से इस घटना के जिम्मेदार हर व्यक्ति को मुंहतोड़ जवाब देने की अपील करते हैं और आशा करते है कि सरकार ठोस कदम उठाते हुए ऐसा सबक सिखाएगी की उनकी पुश्तें तक उसे तक याद रखेंगी और इस तरह की कायराना हरकत करने की दुबारा हिम्मत या कोशिश नहीं करेंगे।

ढाबर व जैतपुर कांग्रेस मंडल की संगठनात्मक बैठक हुई आयोजित

कर्मपालसिंह सवाली

पाली ,राजस्थान। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार पाली विधानसभा प्रभारी हिमपाल सिंह देवल के मुख्य आतिथ्य, रोहट ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरधारी सिंह राजपुरोहित की अध्यक्षता तथा मंडल अध्यक्ष ढाबर पुनाराम देवासी व जेतपुर मंडल अध्यक्ष हनुमानराम पटेल के नेतृत्व में कांग्रेस की ग्रामीण मंडल की संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना, मतदाता सूची सत्यापन को बेहतर करना और अपने बूथ को मजबूत करना, कार्यप्रणाली में सुधार लाना है। जिले में संगठन को जमीनी स्तर पर अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने की दिशा में देखा जा रहा है, माना जा रहा है कि इससे ब्लॉक स्तर व जिला स्तर पर कांग्रेस पार्टी की पकड़ ग्रामीण क्षेत्र व शहरी क्षेत्र मे आगामी नगर निकाय और पंचायत राज चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस की रणनीतिक तैयारी के रूप में भी देखा जा रहा है। जिसमे पाली विधानसभा प्रभारी हिमपाल सिंह देवल ने कहां कि आगामी निकाय व पंचायतीराज चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए कार्यकर्ताओ को जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। साथ ही आपसी मनमुटाव को भुला कर कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने के लिए एकजुट हो जाए। वहीं रोहट प्रधान मति सुनीता कंवर राजपुरोहित ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जिले व ब्लॉक में मजबूत कैसे हो उसको लेकर मंथन होना चाहिए, कार्यकर्ताओ को पार्टी की जिम्मेदारी समझते हुए समर्पित भाव से कार्य करते रहना चाहिए। उन्होंने संबोधित में कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी में रीढ़ की हड्डी है। इसलिए उनका पार्टी में मान - सम्मान होना चाहिए तथा आगामी नगर निकाय व पंचायती राज चुनावों में एक झूठ होकर पार्टी को मजबूत करें। रोहट ब्लॉक प्रवक्ता राजाराम सरगरा डूंगरपुर ने संबोधित करते हुए कहा कि कल जम्मू- कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर किए गए कायरना हमले की भर्त्सना करते है। पूरा देश आतंकवादियों के खिलाफ एकजुट है तथा पीड़ित परिवारों के साथ पूरी तरह से कांग्रेस परिवार खड़ा है। उनके प्रति हम सबकी गहरी सहानुभूति है। उन्होंने गृह मंत्री अमितशाह पर भी सुरक्षा को लेकर आरोप लगाया है। तथा घायलों के अतिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश में भय का माहौल है बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, महिलाओं पर अत्याचार, लुट, बलात्कार जैसी आदि घटनाएं हो रही। वही जिला उपाध्यक्ष वजाराम गरवलिया ने कहा कि बीजेपी सरकार जाति धर्म के नाम पर वोट मांगती है, और आपस में लड़वाकर सता हासिल कर रही है, देश में नफरत फैलाकर झूठे वादे के अलावा कुछ नहीं है। इस दौरान वायद मंडल अध्यक्ष खीमाराम मेघवाल, पुनाराम देवासी ढाबर, जेतपुर सरपंच प्रकाश परिहार, एस सी प्रकोष्ठ जिला उपाध्यक्ष वजारम गरवलिया, एस सी प्रकोष्ठ ब्लॉक अध्यक्ष ढलाराम बिंजा मेघवाल, भैराराम मेघवाल ढाबर, बाबूनाथ गढवाड़ा, बीजादेवी, नाथूराम बिश्नोई, लक्ष्मणराम बिंजा, गोरखराम दमामी, वागा राम प्रजापत, राजूराम मेघवाल, घेवर राम, दुर्गाराम, मोहनराम सरगरा , विशन दास, धना राम, राजूराम, घेवर राम देवासी, मांगीलाल, मानाराम पटेल, मूलाराम, हमीराराम, गणपत राम मेघवाल, लूणाराम देवासी, जगदीश सरगरा आदि सहित कई कांग्रेसजन मौजूद रहे।

चाकू हमले में गंभीर रूप से घायल करने वाले आरोपी को मुंबई से किया गया गिरफ्तार

तरुणमित्र / ब्यूरो

भिवंडी : भिवंडी शहर के न्यू आज़ाद नगर इलाके में हुए चाकू हमले के आरोपी को शांतीनगर पुलिस ने मुंबई के छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान मेराज उर्फ पिंकी मेहमुद शाह के रूप में हुई है, जो वारदात के बाद उत्तर प्रदेश भागने की फिराक में था।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, अख्तर हुसैन अन्सारी नामक युवक अपने घर के बाहर खड़ी बाइक पर बैठकर मोबाइल देख रहा था। तभी आरोपी मेराज वहां आया और अचानक अख्तर के हाथ पर वार किया, जिससे उसका मोबाइल नीचे गिरकर टूट गया। जब अख्तर ने इसका कारण पूछा, तो आरोपी ने चाकू दिखाकर उसे धमकाया, गालीगलौज की और धक्का-मुक्की करने लगा। विवाद बढ़ता देख अख्तर के दोस्त मोहम्मद कैफ दिलनवाज शेख और इरफान अन्सारी बीच-बचाव करने लगे। इसी दौरान आरोपी ने चाकू से इरफान के सिर के पीछे जोरदार वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

इसके अलावा मोहम्मद कैफ के सिर पर भी चाकू से वार किया गया, और जब अख्तर की मां बीच-बचाव के लिए आईं, तो उन्हें भी चोट पहुंचाई गई। इस खतरनाक हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए शांतीनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम में शामिल पुलिसकर्मियों को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी मुंबई के सीएसएमटी स्टेशन से उत्तर प्रदेश भागने वाला है।

सूचना मिलते ही सहायक पुलिस निरीक्षक सुरेश चोपडे, उपनिरीक्षक रविंद्र आव्हाड और उनकी टीम ने रेलवे पुलिस की मदद से सीएसएमटी स्टेशन पर आरोपी को धर दबोचा। आरोपी मेराज को भिवंडी न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। पुलिस अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है कि हमले के पीछे कोई पूर्व शत्रुता थी या मामला अचानक उग्र हो गया। फिलहाल इलाके में दहशत का माहौल है, और घायल युवक अस्पताल में उपचाराधीन है।

यह रहा एक और अधिक प्रभावशाली, भावनात्मक और प्रवाहपूर्ण रूप से तैयार किया गया संस्करण, जो आपकी पत्रकारिता की गंभीरता और जनभावना-दोनों को समेटता है

कल्याण पूर्व में 'हिंदू जागो रे' का हुंकारः पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ फूटा जनाक्रोश

तरुणमित्र, कल्याण (पूर्व)

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बेसरन पहाड़ियों पर निर्दोष पर्यटकों पर हुए कायराना आतंकी हमले के खिलाफ बुधवार को कल्याण पूर्व के नाना पावशे चौक पर जनसैलाब उमड़ पड़ा। 'हिंदू जागो रे' के गगनभेदी नारों के बीच नागरिकों ने आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट होकर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

प्रदर्शन में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी रही। प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता विजय उपाध्याय, रामचंद्र पांडे, सीपी मिश्रा, बीपी सिंह, सूर्या सिंह, विनोद तिवारी, अमिताभ सिंह, रत्नेश मिश्रा, हर्षल साळवी, कल्पना गौतम, विभा सिंह, अजय उपाध्याय और अन्य अनेक नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर यह स्पष्ट कर दिया कि अब देश चुप बैठने वाला नहीं है। इस विरोध प्रदर्शन में शिव प्रतिष्ठान हिंदुस्तान के शुभम गोवेकर एवं उनके साथी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका उल्लेखनीय रही। कल्याण के व्यापारियों, विक्रेताओं और युवाओं ने स्वस्फूर्त सहभागिता के साथ प्रदर्शन को जन आंदोलन का रूप दे दिया।

प्रदर्शन के दौरान 'हिंदू जागो रे' के जोशीले गीतों ने वातावरण में ऊर्जा भर दी। हर हाथ में विरोध के पोस्टर थे, और हर हृदय में आक्रोश। आतंकवाद के पुतलों का दहन कर लोगों ने न केवल पाकिस्तान बल्कि उसके समर्थक तत्वों को भी करारा संदेश दिया।

'पाकिस्तान मुर्दाबाद', 'आतंकवाद मुर्दाबाद' के नारों से गूंजते इस प्रदर्शन में यह मांग बार-बार उठी कि भारत सरकार आतंकियों और उन्हें संरक्षण देने वालों के खिलाफ निर्णायक कदम उठाए। प्रदर्शन को लेकर पुलिस प्रशासन भी सतर्क रहा। कोळसेवाडी पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक गणेश न्हायदे स्वयं मोर्चे पर मौजूद रहे। गुप्त वेश में विशेष दस्ते की तैनाती भी की गई थी, जिससे शांति और व्यवस्था बनी रही। यह प्रदर्शन न केवल एक हमले के विरोध की अभिव्यक्ति था, बल्कि यह हिंदू समाज की जागरूकता, संगठित चेतना और राष्ट्रीय अस्मिता के प्रति अडिग संकल्प का सार्वजनिक उद्घोष भी बन गया।

भिवंडी के खोका कंपाउंड में भंगार गोदाम में भीषण आग, घंटों की मशक्कत के बाद पाया गया काबू

तरुणमित्र / अनिल वर्मा

भिवंडी : भिवंडी शहर के खोका कंपाउंड परिसर में देर रात एक भंगार गोदाम में अचानक भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। यह घटना मध्यरात्रि के आसपास घटी, जब अधिकांश लोग गहरी नींद में थे। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही पलों में गोदाम में रखा सारा सामान जलने लगा। गोदाम में बड़ी मात्रा में कागजी पुठ्ठा और प्लास्टिक जैसे ज्वलनशील कबाड़ का सामान मौजूद था, जो तुरंत आग की चपेट में आ गया। स्थानीय नागरिकों ने धुआं और आग की ऊंची लपटें देखकर तात्काल अग्निशमन विभाग और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही भिवंडी अग्निशमन दल की दो गाड़ियां घटनास्थल पर रवाना हुईं और दमकल कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए आग पर नियंत्रण पाने के प्रयास शुरू किए। करीब दो घंटे की अथक मेहनत के बाद आग को काबू में लाया गया। हालांकि आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन अभी भी अग्निशमन दल की टीम घटनास्थल पर मौजूद है और कुलिंग ऑपरेशन जारी है ताकि आग दोबारा न भड़के। इस आग में गोदाम पूरी तरह जलकर खाक हो गया है, जिससे लाखों रुपयों के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार गोदाम में किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी, जिससे आग इतनी तेजी से फैल गई। प्रशासन की ओर से घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। लेकिन इस घटना ने एक बार फिर भिवंडी में बढ़ते भंगार गोदामों की अव्यवस्थित स्थिति और अग्निसुरक्षा उपायों की कमी को उजागर कर दिया है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि शहर में मौजूद भंगार गोदामों की सुरक्षा जांच की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

डोंबिवली के रविंद्र संते को दिव्यांग भारतीय क्रिकेट टीम का कप्तान चुना गया

तरुणमित्र / ब्यूरो

(भिवंडी के आकाश पाटिल को भी टीम में मिली जगह) डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (DCCI) के तत्वावधान में बेंगलुरु में भारत और श्रीलंका के बीच दिव्यांग क्रिकेट सीरीज आयोजित की जा रही है। इस सीरीज में कुल 5 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेले जाएंगे। सीरीज की शुरुआत 29 अप्रैल 2025 से होगी। पूरे भारत से चुनी गई 18 सदस्यीय भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम की कमान डोंबिवली के रविंद्र संते को सौंपी गई है। वहीं भिवंडी के आकाश पाटिल को भी टीम में शामिल किया गया है। भारतीय टीम पूरी तरह से तैयारी के साथ इस प्रतिष्ठित सीरीज में उतरने जा रही है। भारतीय टीम इस प्रकार हैः रविंद्र संते (कप्तान), नरेंद्र मंगोरे (उपकप्तान), आकाश पाटिल, ऋशांत गुंजाल, गुरुदास राऊत, निखिल मनहास, शिवशंकरा, इमरान खान, योगेंद्र भदोरिया, माजिद मागरे, आदिल नानसोला, वासिम इकबाल, मोहम्मद सादिक, सतीश किरार, राजेश कन्नौर, विक्रम जीत, तुषार पॉल, रविंद्र जगदाले सपोर्ट स्टाफः

पंकज गुप्ता (मुख्य कोच), रविंद्र पाटिल (सहायक कोच), संकेत खेडकर (वीडियो विश्लेषक), रामस्वरूप सैनी (स्ट्रेंथ व कंडीशनिंग कोच)

मैचों का कार्यक्रमः

पहला टी-20ः 29 अप्रैल 2025 दूसरा टी-20ः 30 अप्रैल 2025 तीसरा टी-20ः 2 मई 2025 चौथा टी-20ः 3 मई 2025 पांचवां टी-20ः 5 मई 2025

बोईसर : पर्यटकों के मौत पर मनसे का रोष भरा प्रदर्शन

तरुणमित्र-ओमप्रकाश द्विवेदी

पालघर। कश्मीर के वादियों में घुमने गये निर्दोष पर्यटकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर मौत का कहर बरपाने वाले देश के दुश्मनों को कड़ी सजा देने की मांग करते महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की पालघर ईकाई की ओर से गुरुवार,24 अप्रैल को बोईसर में रोष प्रकट करते विरोध प्रर्दशन किया गया। मनसे कार्यकर्ताओं ने बोईसर रेलवे स्टेशन के बाहर आयोजित शोक सभा में सर्वप्रथम आतंकी हमले में प्राण गंवाये बेकसूर लोगों की दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट मौन रखकर भाववीनी श्रद्धांजलि भेंट की,तदुपरांत कायरता पूर्ण कारवाई की मनसे द्वारा कड़ी निंदा करते हुए गुस्से में पड़ोसी राष्ट्र के विरुद्ध नारेबाजी करके उसके झंडे को आग के हवाले कर दिया गया। इस अवसर पर मनसे के जिलाध्यक्ष धीरज गावड़,उप जिलाध्यक्ष विजय गांगुर्डे, पालघर शहर संगठक उदय माने,कामगार सेना उपसचिव जालिम तड़वी, मनसे उप तालुकाध्यक्ष सत्यम मिश्रा, विभागाध्यक्ष राजू आखाडे,महिला सेना की रेशमा जगताप,विभाग प्रमुख पवन गुप्ता,शाखा अध्यक्ष पकंज चौरसिया,मोनू शर्मा और महाराष्ट्र सैनिक तन्मय संखे जैसे अनेक जन उपस्थित रहे।

दूसरी शादी के बाद महिला पहले पति की Property में कितनी हकदार, हाईकोर्ट

तरुणमित्र /पिंकी राजगुरु

पति-पत्नी के संपत्ति विवाद अक्सर इतने उलझे हुए होते हैं कि कोर्ट को भी समय लगता है। ऐसा ही एक मामला हाई कोर्ट में पेश हुआ, जिसमें पत्नी ने पति की संपत्ति पर उत्तराधिकारी होने का दावा किया था।मामले में, पति मर गया था और महिला ने दूसरी शादी कर ली थी। अब हाई कोर्ट ने इस मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है, कानून के प्रावधानों और पूरी स्थिति को देखते हुए। इस मामले में, जिला अदालत ने पत्नी को मृत पति की संपत्ति में उत्तराधिकारी होने से मना कर दिया। जिला कोर्ट ने कहा कि महिला ने दोबारा शादी की है, इसलिए उसे अपने मृत पति की संपत्ति (पति की संपत्ति) पर अधिकार नहीं है। हाई कोर्ट ने पत्नी के पक्ष में फैसला दिया है। सलेम जिला न्यायालय ने पहले हाई कोर्ट को मामला भेजा था। इसमें महिला का दावा खारिज हो गया। जिला न्यायालय ने निर्णय दिया कि मृतक पति की संपत्ति पर महिला का अधिकार समाप्त हो गया है।अब हाईकोर्ट ने हिंदू विवाह अधिनियम (हिंदू विवाह अधिनियम) में शामिल प्रावधानों का हवाला देते हुए निर्णय को पलट दिया है। हाई कोर्ट ने कहा कि एक महिला को अपने मृत पति की संपत्ति में उत्तराधिकार पर पूरा हक है। दोबारा शादी करने से कोई फर्क नहीं पड़ता। हाई कोर्ट ने कहा कि दोबारा शादी करना उत्तराधिकारों में बाधा या रोक नहीं है। हिंदू विवाह अपने पति की संपत्ति में अधिकार से वंचित नहीं किया है।उसे वंचित नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह यानी प्रावधान है। 2005 में हिंदू विवाह अधिनियम में संशोधन किया गया, जो दोबारा शादी करने वाली महिलाओं को पति की संपत्ति में अधिकार से वंचित करता था।हाई कोर्ट का यह फैसला संपत्ति उत्तराधिकार में समानता का सिद्धांत समझाता है। यह फैसला भी दोबारा शादी करने वाली महिलाओं को उनके मृत पति की संपत्ति में अधिकार पाने का हक देता है, जो संपत्ति का नाम है।

पहलगाम आतंकी हमले का भिवंडी में शिवसेना (ठाकरे गुट) की ओर से तीव्र विरोध, श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

तरुणमित्र / ब्यूरो

भिवंडी : कश्मीर के पहलगाम इलाके में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले की देशभर में तीव्र निंदा की जा रही है।

इसी क्रम में भिवंडी में शिवसेना उद्धव बाळासाहेब ठाकरे गुट की ओर से छत्रपती शिवाजी महाराज चौक पर जोरदार निषेध आंदोलन आयोजित किया गया। इस आंदोलन का नेतृत्व शहर जिल्हा प्रमुख मनोज गगे ने किया, जबकि उनके साथ लोकसभा समन्वयक हनुमान पाटील, महानगरप्रमुख अरुण पाटील, जिल्हा सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी, जिल्हा संघटिका वैशाली मेस्त्री आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान आतंकवादी हमले में शहीद हुए हिंदू श्रद्धालुओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विरोध प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई और इस घिनौने हमले की कड़ी निंदा की गई। इस अवसर पर महिला जिल्हा उपसंघटिका कविता भगत, तालुका संघटिका फशी ताई पाटील, राजेंद्र काबाडी, वैभव तूपसाखरे, गणेश मोरे, प्रशांत वसानी, मयूर कदम, प्रताप शिंदे, केदार सिंगासने, अजय तेजे, मुज्झमिल खान, शफिक अन्सारी सहित बड़ी संख्या में शिवसैनिक और भिवंडी के नागरिक उपस्थित थे। शिवसेना नेताओं ने इस हमले को मानवता पर हमला बताया और केंद्र सरकार से आतंकवाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

अदालती नोटिस
हेतु संदर्भित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय श्रीमान अपर प्रधान न्यायाधीश
परिवार न्यायालय प्रथम, जौनपुर
मु.नं. 1880 सन् 2024
आफरीन बानो बनाम
मोहम्मद आजाद हाशमी
थाना-रामपुर, जौनपुर
धारा-144 बी.एन.एस.एस.
ता.पेशी-15.07.2025 आपत्ति/निस्तारण
बनाम- 1-मोहम्मद आजाद हाशमी उ0त0 34 साल पुत्र मोहम्मद इदरीश हाशमी सा0मौ0 महातवाना, पो0 व थाना मड़ियाहूँ, तह0 मड़ियाहूँ, जिला जौनपुर हालपता शिवशक्ति चाल धनुबाग शिवशंकर मंदिर के सामने नालासोपाड़ा (ईस्ट), मुम्बई-401203
चूँकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन हेतु संदर्भित करने के लिए 2025 के 07 के 15 दिवस आपत्ति व निस्तारण बवक्त 10 सुबह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुदृष्टि अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय सुना जायेगा, अवधरित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20..... के..... के.....दिवस को निकाली गई। -न्यायालय।

सोया तेल के दाम नीचे आने से भारत में पाम तेल के आयात में बढ़ोतरी : शंकर ठक्कर

तरुणमित्र / ब्यूरो

ठाणे। अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री शंकर ठक्कर ने बताया विश्व में पाम तेल का सबसे बड़ा आयातक देश भारत ने पांच महीने की मंदी के बाद पाम तेल की खरीद बढ़ानी शुरू कर दी है, क्योंकि कीमतों में गिरावट के कारण यह प्रतिद्वंद्वी सोया तेल की तुलना में सस्ता हो गया है। कच्चे पाम तेल की कीमत वर्तमान में लगभग 1,050 डॉलर प्रति टन है, जबकि सोया तेल की कीमत 1,100 डॉलर प्रति टन है, जिससे भारतीय आयातक कम होते स्टॉक के बीच फिर से स्टॉक करने पर मजबूर हो गए हैं। दिसंबर से मार्च तक आयात में काफी गिरावट आई, लेकिन मई में आयात बढ़कर 500,000 टन से अधिक और जून में 600,000 टन से अधिक होने का अनुमान है। मांग में इस बदलाव से मलेशियाई पाम ऑयल वायदा को समर्थन मिलने की उम्मीद है, जो 2025 में लगभग 10% गिर गया है। खरीद में सुधार एक नए मांग चक्र का संकेत देता है क्योंकि हमारे बंदरगाहो एवं रिफाइनर्स स्टॉक कम हो चुका है इसलिए अपने स्टॉक को फिर से भरने का लक्ष्य रख सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में पाम तेल अब सोया तेल से सस्ता हो गया है, जिससे खरीदारी फिर से बढ़ गई है। कम इन्वेंट्री स्तर रिफाइनरों को शीघ्रता से पुनः स्टॉक करने के लिए बाध्य करता है। भारत ने पांच महीने की महत्वपूर्ण सुस्ती के बाद पाम ऑयल के आयात में तेजी लानी शुरू कर दी है, क्योंकि हाल ही में कीमतों में सुधार ने उष्णकटिबंधीय तेल को अपने मुख्य प्रतिस्पर्धी सोया तेल की तुलना में अधिक किफायती बना दिया है। कच्चे पाम ऑयल (सीपीओ) को अब मई डिलीवरी के लिए लगभग 1,050 डॉलर प्रति टन (सीआईएफ) पर पेश किया जा रहा है, जबकि कच्चे सोया तेल के लिए यह लगभग 1,100 डॉलर प्रति टन है। मूल्य गतिशीलता में इस बदलाव ने भारतीय रिफाइनरों को अपने घटते हुए स्टॉक को फिर से भरने के लिए खरीद फिर से शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया है। पिछले साल के आखिर में पाम ऑयल ने सोया ऑयल के मुकाबले अपनी कीमत का लाभ खो दिया था, जिसके कारण भारतीय खरीदारों ने आयात में काफी कटौती की। दिसंबर से मार्च तक, भारत ने केवल 1.57 मिलियन टन पाम ऑयल का आयात किया - औसतन 384,712 टन प्रति माह। यह अक्टूबर 2024 को समाप्त होने वाले विपणन वर्ष के दौरान प्रति माह आयात किए जाने वाले 750,000 टन से भी अधिक की तुलना में काफी कम था। डीलरों का अनुमान है कि जुलाई और सितंबर के बीच मांग में और वृद्धि होगी, जो संभवतः मासिक 700,000 टन को पार कर जाएगी, क्योंकि रिफाइनरियां स्टॉक को पुनः बढ़ाने के लिए काम कर रही हैं। भारत की ओर से इस नए खरीददारी रुझान से बेंचमार्क मलेशियाई पाम ऑयल वायदा को समर्थन मिलने की संभावना है, जिसमें 2025 में लगभग 10% की गिरावट आई है। भारतीय मांग में बढ़ोतरी पर वैश्विक बाजारों की कड़ी नजर रहेगी, खासकर इसलिए क्योंकि भारत मुख्य रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया ओर कुछ मात्रा में थाईलैंड से से पाम तेल आयात करता है। शंकर ठक्कर ने आगे कहा पाम तेल की कीमत में फिर से तेजी आने के साथ,भारत का बढ़ता आयात मांग में महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जिसका आने वाले महीनों में वैश्विक खाद्य तेल बाजारों पर प्रभाव पड़ने की संभावना है।

अदालती सम्मन

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा1 व 5) न्यायालय सिविल जज (सीनियर डिवीजन), कोर्ट संख्या-2 जिला-गोरखपुर
वाद संख्या-62/2025
संजय सिंह बनाम टाटा मोटर्स
बनाम
टाटा मोटर्स फाइनेंस सल्यूशन लिमिटेड मुंबई, महाराष्ट्र 400009 बजरिये मैनेजिंग डाइरेक्टर
...प्रतिवादी
हरगाह ने आपके नाम एक नालिश बावत के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 07-05-2025 बवक्त 10 बजे दिन के अदालत में या मारफत वकील के जो मुकदमे की हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जिसे कुल उमूर अहम मुतालिक मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब सवालात का दे सके, हाजिर हो और जवाब देही दावा की करें और हरगाह वही तारीख को आपके इजहार के लिये मुकर्रर है कि वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजवीज हुई है आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप जवाबदेही हुई है कतई दे ताईद इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
तारीख पेशी-07-05-2025
बदस्तखत मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 23-04-2025 ई0 जारी किया गया।
न्यायालय सिविल जज (सीनियर डिवीजन), कोर्ट संख्या-2, जिला-गोरखपुर।

सशक्त पंचायतों से ही बनेगा विकसित राष्ट्र

आजादी के समय भारत के गांव बहुत पिछड़े हुए थे। देश के अधिकांश गांवों में मूलभूत सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं था मगर आज गांवों की व्यवस्था भी बहुत कुछ बदल गई है। आज देश के बहुत से गांव में शहरों की भांति सुविधा देखने को मिल रही है लेकिन आज भी देश में हजारों ऐसे गांव हैं जहां पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई हैं। जब तक सरकार देश के सभी गांव में समान रूप से सुविधा उपलब्ध नहीं करवा पाएगी तब तक देश विकास की दौड़ में पूरी गति से शामिल नहीं हो पाएगा। हम आज पंचायत राज दिवस मना रहे हैं। हमारे देश में 2 अक्टूबर 1959 को पहली बार पंचायत राज व्यवस्था लागू की गई थी। 1993 में त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ था।

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत गांवों का देश है। यहां की बहुसंख्यक आबादी आज भी गांवों में रहती है। भारत के गांव ही देश की अर्थव्यवस्था की मुख्य धुरी हैं। इसीलिए कहा जाता है कि जब तक देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होगी तब तक भारत विकसित राष्ट्र नहीं बन पाएगा। गांव में सुशासन स्थापित करने के लिए ही ग्राम पंचायत की स्थापना की गई थी। हमारे देश के नेताओं को ग्रामीण पृष्ठभूमि का पूरा ज्ञान था इसलिए उन्होंने गांव के महत्व को समझकर ग्रामीण क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पंचायती राज व्यवस्था की स्थापना की थी। उनको पता था कि जब तक गांव मजबूत नहीं होंगे तब तक देश मजबूत नहीं होगा। गांव को मजबूत करने के लिए यहां मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सबसे महत्वपूर्ण कार्य था।

आजादी के समय भारत के गांव बहुत पिछड़े हुए थे। देश के अधिकांश गांवों में मूलभूत सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं था मगर आज गांवों की व्यवस्था भी बहुत कुछ बदल गई है। आज देश के बहुत से गांव में शहरों की भांति सुविधा देखने को मिल रही है लेकिन आज भी देश में हजारों ऐसे गांव हैं जहां पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई हैं। जब तक सरकार देश के सभी गांव में समान रूप से सुविधा उपलब्ध नहीं करवा पाएगी तब तक देश विकास की दौड़ में पूरी गति से शामिल नहीं हो पाएगा। हम आज पंचायत राज दिवस मना रहे हैं। हमारे देश में 2 अक्टूबर 1959 को पहली बार पंचायत राज व्यवस्था लागू की गई थी। 1993 में त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ था।

राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस भारत में बहुत महत्व रखता है क्योंकि यह एक संवैधानिक इकाई के रूप में पंचायत राज प्रणाली की स्थापना का प्रतीक है। पंचायत राज प्रणाली भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर सत्ता और संसाधनों का विकेंद्रीकरण करना और सहभागी लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। पंचायत राज प्रणाली जमीनी स्तर पर लोगों को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेने और उनके विकास का स्वामित्व लेने में सक्षम बनाती है, जो स्व-शासन और जवाबदेही को बढ़ावा देने में मदद करती है।

भारत गांवों का देश माना जाता है और गांव के विकास में पंचायतों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। चूंकि ग्राम पंचायतों के पंच व सरपंच सीधे ग्रामीणों द्वारा चुने जाते हैं। इसलिए निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का अपने ग्राम पंचायत क्षेत्र के लोगों से सीधा संपर्क रहता है। ग्रामवासी भी अपनी समस्याएं सीधे पंचायत तक पहुंचा सकते हैं। मगर ग्राम पंचायतों की स्थापना के इतने वर्षों के बाद भी अभी तक ग्राम पंचायतें वास्तविक रूप में सशक्त नहीं हो पाई हैं। ग्राम पंचायतें पूरी तरह राज्य सरकारों पर निर्भर हैं। कहने को तो ग्राम पंचायतों को बहुत सारे अधिकार प्रदान किए गए हैं मगर आज तक भी ग्राम पंचायतें अपने अधिकारों का प्रयोग नहीं कर पाती हैं। आज भी देश की अधिकांश ग्राम पंचायतों में सरकारी अधिकारी, कर्मचारी प्रभावी रहते हैं।

ग्राम पंचायतों में आरक्षण व्यवस्था लागू होने के कारण बड़ी संख्या में महिलाएं पंच, सरपंच निर्वाचित होकर आती हैं। उनमें से कई महिलाएं वास्तव में बहुत अधिक पढ़ी-लिखी होने के कारण पूरी जानकारी रखती हैं। इस कारण वह अपने अधिकारों का पूरा प्रयोग कर लेती हैं। मगर अधिकांशतः सुरक्षित क्षेत्र होने के कारण गांवों के प्रभावी नेता अपने परिवार की किसी महिला को पंच या सरपंच बनवा देते हैं, फिर उनके स्थान पर खुद नेतागिरी करते हैं। वहां की निर्वाचित महिलाएं मात्र कागजी जनप्रतिनिधि बन कर रह जाती हैं। बहुत से स्थानों पर तो महिला सरपंचों के हस्ताक्षर भी उनके स्थान पर काम करने वाले उनके परिजनों द्वारा ही कर दिए जाते हैं। ऐसी स्थिति में पंचायती राज व्यवस्था के मजबूत होने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। सरकार बार-बार परिपत्र जारी कर सरपंच के प्रतिनिधियों को पंचायतों के कार्यों में हस्तक्षेप करने से मना करती है मगर धरातल पर सरकार के परिपत्र मात्र कागजी बन कर रह जाते हैं।

देश में आज चाहे ग्राम पंचायत हो, पंचायत समिति हो या जिला परिषद् हो। जहां भी महिला जनप्रतिनिधि निर्वाचित होकर आती हैं। उनके स्थान पर उनके परिजन ही कार्य करते देखे जा सकते हैं। सभी प्रदेशों की राज्य सरकारों को कड़ाई से इस पर रोक लगानी चाहिए ताकि महिलाओं को भी अपने पद पर काम करने का मौका मिल सके। ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर देखने में आता है कि निर्वाचित पंच, सरपंच पंचायतों की बैठक में घूंघट निकाल कर बैठती हैं क्योंकि वहां उनकी ससुराल के बड़े परिजन भी बैठे होते हैं। आज देश शिक्षा के क्षेत्र में बहुत तरक्की कर रहा है। महिलाएं हर क्षेत्र में अपने काम से धूम मचा रही हैं। अब तो सेना को भी महिलाओं के लिए पूरी तरह खोल दिया गया है। ऐसे में जनप्रतिनिधियों का घूंघट निकाल कर बैठना सभ्य समाज के लिए किसी दुखद घटना से कम नहीं है। सरकार को ऐसी घटनाओं पर भी सख्ती बरतनी चाहिये।

पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से महिलाओं का जीवन बहुत प्रभावित हुआ है। सही मायने में पंचायती राज ने महिलाओं को समाज का एक विशेष सदस्य बना दिया है। लाखों महिलाऐं सार्वजनिक जीवन में आयी हैं लेकिन अधिकतर निर्वाचित महिलाओं को निर्वाचक सदस्य होने के विषय में पूर्ण जानकारी भी नहीं है। अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता की कमी के कारण वह प्रभावी नहीं हो पाती हैं। उन्हें यह भी ज्ञान नहीं होता है कि वह एक कुशल प्रशासक भी हो सकती हैं।

घूंघट में रहना लोकतंत्र और औरत जाति के लिए चुनौती है। समय के साथ बहुत कुछ बदल गया है लेकिन औरतों के प्रति लोगों की सोच अभी तक नहीं बदली है। राजनीति घूंघट में रह कर नहीं हो सकती। इसके लिए बेबाक होना पड़ता है। औरतों को अपने से कमतर मानने की सोच के चलते ही उनके चेहरे से परदा नहीं हट पा रहा है। लोकतंत्र की सबसे छोटी संसद पंचायती राज में हालांकि महिलाएं 50 फीसदी सीटों पर काबिज हैं लेकिन इन महिला जनप्रतिनिधियों में से कई पढ़ी-लिखी होने के बाद भी ग्राम पंचायत की बैठकों में घूंघट में बैठी रहकर जुबान ही नहीं खोलती हैं।

क्या ऐसी स्थिति के लिए ही पंचायत राज को मजबूती देने का निर्णय किया गया था। क्या इक्कीसवीं सदी में प्रवेश करने के बाद भी हमारे देश की महिला जनप्रतिनिधियों को घूंघट की ओट में ही जीने को विवश होना पड़ेगा। यह एक बड़ा सवाल है जिसे ना सिर्फ प्रशासनिक अधिकारियो को गंभीरता से लेना पड़ेगा बल्कि राजनेताओं व प्रशासनिक अधिकारियों को भी सरपंच पतियों के बढ़ते हस्तक्षेप पर प्रभावी अंकुश लगाना होगा। औरतों के सिर से घूंघट हटाने के लिए लड़कियों के माता-पिता को आगे आना होगा। उन्हें अपनी बेटियों की शादी उसी परिवार में करनी चाहिए जहां घूंघट का बंधन नहीं हो। घूंघट में रह कर औरतें अपनी जिंदगी के ताने-बाने को कैसे बुन सकती हैं? घूंघट में रह कर राजनीति या समाजसेवा नहीं की जा सकती।

आज के समय में ग्राम पंचायतें पैसे कमाने का जरिया बन गई हैं। पंचायत चुनाव में बड़ी मात्रा में पैसे खर्च होते हैं। चुनाव जीतने के बाद निर्वाचित सरपंच द्वारा जनसेवा के बजाय पैसे कमाने पर अधिक ध्यान दिया जाता है। इस कारण निर्वाचित जनप्रतिनिधि ग्राम पंचायत के सामाजिक सरोकार के कामों को भूल कर निर्माण कामों में व्यस्त हो जाते हैं। अपनी पंचायत में अधिक से अधिक निर्माण कार्य स्वीकृत करवाने के लिए सरपंच विधायकों, सांसदों के चक्कर काटते रहते हैं। जिस कारण वह उनके दबाव में काम करते हैं। पंचायती राज व्यवस्था को सही मायने में सशक्त बनाने के लिए सरकार को सभी प्रकार के निर्माण कार्य ग्राम पंचायतों से हटाकर संबंधित विभागों से कराना चाहिए ताकि सरपंच जनता से जुड़ कर उनकी समस्याओं का सही मायने में समाधान करवा सकें।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

वन विभाग की आधारहीन चिंता

कुलभूषण उपमन्यु

बड़ी मुश्किल से 17 साल बाद हिमाचल प्रदेश सरकार जागी, तो वन विभाग नाहक ही चिंता ग्रस्त हो गया। वन अधिकार कानून 2006 दो साल बाद दो हजार आठ में अधिसूचित होने के बाबजूद आज तक लागू किए जाने को तरस रहा था। यह कानून संसद द्वारा वनवासी और अन्य वननिर्भर समुदायों के प्रति ब्रिटिश हुकूमत में किए गए ऐतिहासिक अन्याय को दूर करने के लिए इन समुदायों की वनों पर निर्भरता को ध्यान में रखते हुए वनों पर कानूनी रूप में कुछ अधिकार देने की बात करता है, जिसमें 2005 की 13 जनवरी से पहले यदि आजीविका के लिए वन भूमि का प्रयोग किया जा रहा है या आवास और पशुशाला आदि बनाई है तो उतनी वन भूमि पर, आदिवासी और अन्य वन निर्भर समुदायों को इस्तेमाल का हक प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा सामुदायिक रूप से वनों में जो बरतनदारी हक, परंपरा से इन समुदायों को छूट के रूप में प्राप्त है, उन्हें कानूनी अधिकार के रूप में दिए जाने का प्रावधान है। बरतनदारी में वनों के प्रबंधन की जिम्मेदारी देने के साथ इनके संरक्षण संवर्धन का कर्तव्य भी निर्धारित किया गया है।

स्थानीय विकास के लिए जरूरी वन भूमि के हस्तांतरण की प्रक्रिया भी वन संरक्षण अधिनियम की लंबी प्रक्रिया से बाहर निकाल कर इस कानून के तहत आसान की गई है, जिसके लिए दिल्ली की ओर देखने की जरूरत नहीं बल्कि वन अधिकार समिति की संस्तुति से वन मण्डल अधिकारी के स्तर पर ही एक हेक्टेयर तक भूमि का स्थानीय विकास की 13 मदों के लिए हस्तांतरण किया जा सकता है बशर्ते उसमें 75 से ज्यादा पेड़ न आते हों। इस तरह यह कानून न केवल आदिवासी और अन्य वन निर्भर समुदायों की आजीविका का संरक्षण करता है बल्कि वन संरक्षण कार्य में स्थानीय जन सहयोग को बढ़ा कर वन संरक्षण कार्य को भी मजबूत करता है। स्वयं वन विभाग भी वन संरक्षण में जन सहयोग के लिए साझा वन योजना जैसे प्रयोग सफलता पूर्वक कर चुका है। हालांकि यह प्रयोग अनमने भाव से ही किए गए थे फिर भी परिणाम उत्साह वर्धक रहे हैं। इसलिए कोई कारण नहीं है कि उक्त अधिनियम के अंतर्गत कानूनी तौर पर प्रबंधन के अधिकार मिलने पर, समुदाय कामयाब नहीं होगा। बल्कि कानूनी तौर पर पूर्ण सशक्त होने पर सामुदायिक प्रबन्धन बहुत सफल होगा। आखिर पंचायतों को भी जब संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया गया तो सारा कार्य सफलता पूर्वक संभाल ही रही हैं। फिर किसी को खुली छूट भी तो दी नहीं जा रही है। बल्कि वन प्रबंधन समितियों को नियम कानूनों के प्रति जवाबदेह बनाने की व्यवस्था है। पिछले दिनों जब हिमाचल प्रदेश सरकार ने जनजाति विकासमंत्री जगत सिंह नेगी के नेतृत्व में वन अधिकार कानून को लागू करने के लिए मिशन मोड में कार्य शुरू किया तो वन विभाग सकते में आ गया। एक पत्र जिलाधीशों, मुख्य अरण्यपालों, और वन मंडल अधिकारियों को जारी किया गया, जिसमें तथाकथित दिशा-निर्देशों की बात की गई है, जबकि कानून को लागू करने का काम वन अधिकार अधिनियम के तहत जनजातीय विभाग को सौंपा गया है। वन विभाग का काम केवल साझा निरीक्षण में हाजिर होना है या उपमंडल समितियों और जिला स्तरीय समितियों में सहयोग देना है। दिशा-निर्देश तो पहले ही एक्ट, नियम और केन्द्रीय दिशा निर्देशों के रूप में आ चुके हैं। अब सवाल यह पैदा होता है कि इस समय, जब सरकार इस कानून को लागू करने के प्रति गंभीरता से काम करने जा रही है तो विभाग की ओर से यह पत्र क्यों जारी किया गया। सत्रह साल तक विभाग को यह याद क्यों नहीं आई। फिर वीडियोग्राफी करने और सैटेलाइट फोटो का प्रयोग करने के सुझाव क्यों दिए गए जबकि एक्ट में उनका कोई जिक्र नहीं है। इससे साफ यह शक जाहिर होता है कि वन विभाग अब फिर इस कानून को लागू करने के काम में अड़ंगा लगाना चाहता है। पत्र में कोनिफर पेड़ों की ही चिंता जाहिर की गई है, यानि टिंबर देने वाले पेड़ ही इनके लिए पेड़ हैं। ऊंचाई पर भी क्लाइमेक्स जंगल में तो बान, बुरांस, खरशु, मोहरू, चिरन्दी जैसे अनेक वृक्ष प्रजातियां हैं। उनको तो ये लोग कोयला जलाने के लिए काट कर खुद नष्ट करते रहे हैं और उनके रोपण की भी कोई कोशिश नहीं की जाती थी। अभी कुछ वर्षों से ही ये प्रयास शुरू हुए हैं। अभी भी कितना सफल होते हैं पता नहीं। शिवालिक के सघन मिश्रित वनों को गर्डलिंग करके सुखाया गया और चीड़ के वनों में बदल दिया गया। यह काम सुधार वानिकी के नाम पर किया गया। इसी कारण वन्य प्राणी जंगली फलों और चारे के अभाव में खेतों में अत्यधिक नुकसान करने लग गए हैं, जिससे स्थानीय आजीविका का कितना नुकसान हुआ इसका आकलन तक नहीं किया गया है। असल में ये लोग अभी तक भी उपनिवेशवादी मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए हैं। जंगल पोलिसिंग से नहीं बचे हैं लोगों के सहयोग और जागरुकता से बचे हैं। उपनिवेशवादी प्रबंधन ने ही लोगों को वनों से दूर किया था। उनको फिर से वनों के साथ जोड़ने का यह कानून मौका देता है, जिसका लाभ होगा। डरने की जरूरत नहीं बल्कि मिलकर बेहतर वन प्रबंधन विकसित करने पर ध्यान देने की जरूरत है। वन विभाग यदि अपनी विशेषज्ञता का उपयोग आने वाले समय में आजीविका वानिकी की ओर करे तो बेहतर होगा. ऐसे वन जो बिना काटे रोजी रोटी दे सकें, वही संरक्षित पर्यावरण की गारंटी हैं। टिंबर देने वाले पेड़ तो कट कर ही कुछ दे सकते हैं। इसलिए मिश्रित जंगल लगाने की ओर ध्यान दिया जाए और वन अधिनियम को लागू करने में सहयोग देकर ग्राम समुदायों को वन संरक्षण और विकास के काम में जोड़ने की दिशा में काम किया जाए।

(लेखक, पर्यावरणविद् और हिमाचल प्रदेश के चंबा के सुदूर गांव में रहते हैं।)

सूडोकु नवताल- 7397

मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7396 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 8459

1	2		3	■	4		5	6
7		■	8			■	9	
	■	■		■	10	11	■	
12		13	■	14				
■	■		■		■		■	■
15			16		■	17		18
	■	19		■	20	■	■	
21	22	■	23			■	24	
25				■	26			

बाएँ से दाएँ

1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग, दाढ़ी बनाना-4
7. बेल, लतिका-2
8. मामला-3
9. स्तर, परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा, लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम, यवनी-3
24. मोल, कीमत-2
25. स्वभाव, आदत-4
26. करतब, करिश्मा-4

ऊपर से नीचे

1. शमशीर, कृपाण-4
2. मां, मम्मी-3
3. नीयत, चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय, वोट-2
6. आंदोलन, संग्राम-4
11. क्षारीय, चटपटा-4
13. आशियां, नीड़-4
14. नेत्र, आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत, रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा, श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली -8458 का हल

■	म	नु	हा	र	■	नी	■	■
■	हा	■	नि	■	म	र	घ	ट
भं	व	र	■	म	नो	ज	■	क
■	र	ज	त	■	का	■	ता	रा
म	■	नी	ल	क	म	ल	■	व
हा	ल	■	ब	■	ना	ह	क	■
व	■	आ	गा	र	■	र	वा	ना
त	क	रा	र	■	रा	■	य	■
■	■	म	■	त	ह	म	द	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का पंचांग

शनिवार 2025 वर्ष का 116 वा दिन, दिशाशूल पूर्व ऋतु ग्रीष्म। विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1946, मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) पक्ष कृष्ण तिथि त्रयोदशी 08.28 बजे तदनन्तर चतुर्दशी 04.50 बजे प्रातः को समाप्त। नक्षत्र उत्तराभाद्रपदा 06.27 बजे तदनन्तर रेवती 03.39 बजे रात्र को समाप्त। योग वैधृति 08.41 बजे तदनन्तर विष्कुम्भ 04.35 बजे प्रातः को समाप्त। करण वणिज 08.28 बजे, विष्टि 18.41 बजे तदनन्तर शकुनि 04.50 बजे प्रातः को समाप्त।

आज का राशिफल

मेष - अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष - अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन - बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क - अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, इक्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह - दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या - सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। सुख-आनंद कारक समय है। आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला - भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। पारिवारिक विवाद टालें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक - व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरुआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु - खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेगें। शुभांक-2-4-5

मकर - मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। शुभांक-5-7-9

कुम्भ- शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन - स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञन-विज्ञन की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वलसाड जिला प्रभारी मंत्री मुकेशभाई पटेल की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिला आयोजन मंडल की बैठक

जिला के छह तालुकाओं और पांच नगर पालिकाओं में 492 सार्वजनिक विकास कार्यों के लिए किया गया 875 लाख का प्रावधान

तरूण मित्र श्यामजी मिश्रा

वलसाड जिला। वलसाड जिला आयोजन मंडल की बैठक 25 अप्रैल को जिला प्रभारी मंत्री व वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन तथा जल आपूर्ति राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल की अध्यक्षता में की गई। जिसमें विशेष रूप से जिलाधिकारी भव्य वर्मा और जिला विकास अधिकारी अतिराग चपलोत उपस्थिति रहे। जिसमें वलसाड जिला के 6 तालुकाओं में कुल 492 विभिन्न विकासोन्मुखी कार्यों के लिए 15 प्रतिशत विवेकाधीन प्रावधान के लिए 750 लाख रुपये व पांच प्रतिशत प्रोत्साहन प्रावधान के लिए 25 लाख रुपये, जबकि जिला की पांचों नगर पालिकाओं के लिए 100 लाख रूपये का प्रावधान किया गया। मंत्री ने सभी अधिकारियों से लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने का आग्रह किया। 15 प्रतिशत विवेकाधीन प्रावधान एवं पांच प्रतिशत प्रोत्साहन प्रावधान के अंतर्गत वलसाड जिला के धरमपुर तालुका के लिए 93 कार्यों के लिए क्रमशः 147.50 लाख रुपए व 1 काम के लिए 2.50 लाख रुपये, कपराडा के 117 कामों के लिए 147.50 लाख रुपये और एक काम के लिए. 2.50 लाख रुपये, पारडी तालुका में 84 काम के लिए 117.50 लाख रुपये और दो कार्यों के लिए 7.50 लाख रुपये, उमरगाम में 69 काम के लिए 122.50 लाख रुपये व 3 कार्यों के लिए 2.50 लाख रुपये, वापी तालुका में 33 काम के लिए 97.50 लाख रुपये और 1 काम के लिए 2.50 लाख रुपये तथा वलसाड तालुका में 75 काम के लिए 117.50 लाख रुपये व 4 कार्यों के लिए 7.50 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है। इसमें डामर सड़कें, पेवर ब्लॉक सड़कें, सीसी सड़कें, प्राथमिक शिक्षा, पोषण, जलापूर्ति, ग्रामीण विद्युतीकरण, मलिन बस्तियों का पर्यावरण सुधार और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय विकास कार्य शामिल हैं। जिला की पांच नगर पालिकाओं में वापी, वलसाड, पारडी, उमरगाम और धरमपुर क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए कुल 9 कार्यों के लिए नगरपालिका विवेकाधीन प्रावधान के अंतर्गत 100 लाख रुपये का प्रावधान किया गया हैं। बैठक में वर्ष 2025-26 की आयोजन को मंजूरी दी गई। खास प्लान (बक्शी पंच) योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए 5 लाख रुपए के कार्यों का प्रस्ताव मंजूर किया गया। विकेन्द्रीकृत जिला आयोजन कार्यक्रम के अंतर्गत पिछले चार वर्षों में स्वीकृत किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। जिसमें मंत्री ने क्रियान्वयन अधिकारियों से लंबित कार्यों के साथ-साथ प्रगतिरत कार्यों की भी समीक्षा करने तथा सभी कार्यों को यथाशीघ्र पूरा करने का आग्रह किया। धरमपुर विधायक अरविंदभाई पटेल ने सभी गांवों का विकास हो इसके अनुसार आयोजन करने का सुझाव दिया। उमरगाम विधायक रमनलाल पाटकर ने गर्मियों के दौरान पानी की कमी की समस्या से जूझ रहे गांवों पर ध्यान केंद्रित करने और लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए आयोजन करने को कहा। वहीं जिलाधिकारी ने प्रत्येक तालुका में लंबित कार्यों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित करने का सुझाव दिया। इस बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष मनहरभाई पटेल, वलसाड विधायक भरतभाई पटेल, जिला पंचायत सामाजिक न्याय समिति की अध्यक्षा मीनाक्षीबेन गांगोडा, जिला की विभिन्न तालुका पंचायतों के सभी अध्यक्ष, नगर पालिकाओं के अध्यक्ष, निवासी अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती अनसूया झा, उत्तर वन विभाग के उप वन संरक्षक लोकेश भारद्वाज, दक्षिण वन प्रभाग के उप वन संरक्षक ऋशिराज पुवार, वलसाड प्रांत अधिकारी विमल पटेल और जिला आयोजन अधिकारी भरत पटेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

वित्त मंत्री कनुभाई देसाई की अध्यक्षता में आयोजित किया गया योग बोर्ड द्वारा महायोग शिविर

योग शिविर में आसन, प्राणायाम, ध्यान और आहार के माध्यम से मोटापे से बचने के बारे में व्यापक दी गई जानकारी

तरूण मित्र

वलसाड जिला। स्वस्थ गुजरात, मोटापा मुक्त गुजरात अभियान के अंतर्गत गुजरात राज्य योग बोर्ड द्वारा वापी में महायोग शिविर का आयोजन राज्य के वित्त, ऊर्जा एवं पेट्रोकेमिकल्स मंत्री कनुभाई देसाई की अध्यक्षता में किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम में मोटापा मुक्त राष्ट्र की बात करने के अभियान के अनुरूप, गुजरात राज्य योग बोर्ड पूरे राज्य में मोटापा मुक्त योग शिविरों का आयोजन कर रहा है।

वहीं गुजरात राज्य योग बोर्ड गांधीनगर द्वारा वलसाड जिला में आईडीवाई (अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस) प्रोटोकॉल अभ्यास और मोटापा कम करने के लिए शिविर का आयोजन वापी के छारवाड़ा गांव के क्रिकेट मैदान में सुबह 5:30 बजे से 7:30 बजे तक किया गया। इस योग शिविर के मुख्य अतिथि राज्य के वित्त, ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल्स मंत्री कनुभाई देसाई, जिला विकास अधिकारी अतिराग चपलोत, वापी महानगर पालिका के उपायुक्त अश्विन पाठक, तालुका पंचायत अध्यक्ष समय पटेल और वापी नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष विट्ठलभाई पटेल उपस्थित थे। योग शिविर का संचालन गुजरात राज्य योग बोर्ड की जोन समन्वयक प्रीतिबेन पांडे ने किया। योग शिविर में आसन, प्राणायाम, ध्यान और आहार के माध्यम से मोटापे से बचने के बारे में व्यापक जानकारी दी गई। वहीं योग शिविर का सहयोग छरवाड़ा गांव के पूर्व सरपंच योगेशभाई पटेल ने किया। इसके अलावा अनाया फाउंडेशन, अवध वापी द्वारा प्रत्येक योगी भाई-बहनों के लिए योग-अनुकूल नाश्ते की व्यवस्था की गई। सम्पूर्ण कार्यक्रम जिला समन्वयक प्रीतिबेन वैष्णव के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

वलसाड जिला में पोषण पखवाड़े के समापन के साथ मनाया गया पूर्णा दिवस

तरूण मित्र

वलसाड जिला। वलसाड जिला के आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण पखवाड़े के समापन समारोह के साथ ही घटक स्तर पर किशोरी बालिकाओं के साथ पूर्णा दिवस की "पोषण थाली" थीम पर पूरे दिन उत्सव मनाया गया तथा किशोरी बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार वितरित किए गए। वलसाड जिला के सभी तालुकाओं के आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण पखवाड़ा मनाया गया। इन दिनों में आईसीडीएस विभाग द्वारा "पोषण पखवाड़ा अप्रैल-2025" के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण शपथ, ममता दिवस तथा जीवन के प्रथम 1000 दिनों के बारे में जानकारी दी गई। जिला में पोषण पखवाड़ा-2025 के समापन पर पूरे दिवस के उपलक्ष्य में घटक स्तर पर 15 से 18 वर्ष की किशोरियों द्वारा "पोषण थाली" थीम पर समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं, जैसे किशोरियों के हीमोग्लोबिन की जांच, वजन, ऊंचाई और बीएमआई, विभिन्न खाद्य समूहों का महत्व, शरीर में पोषक तत्वों का महत्व, व्यक्तिगत स्वच्छता और कम उम्र में शादी न करने के बारे में जागरूकता प्रदान की गई। वहीं किशोरी बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के लिए आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पुरस्कार वितरित किये गये। इस अवसर पर जिला की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह के साथ पोषण पखवाड़ा 2025 का समापन समारोह उत्साहपूर्वक पूरा दिन मनाया।

बदलापुर रेशनिंग कार्यालय को मुरबाड तहसील में शामिल न किया जाए, सांसद बाल्या मामा की उपमुख्यमंत्री और प्रधान सचिव से मांग

तरुणमित्र / ब्यूरो

भिवंडी : राज्य सरकार द्वारा "एक विधानसभा एक रेशनिंग कार्यालय" नीति के तहत रेशनिंग कार्यालयों का पुनर्गठन किया जा रहा है। इस नीति के चलते बदलापुर का वर्तमान रेशनिंग कार्यालय मुरबाड तहसील कार्यालय में शामिल किया जाना प्रस्तावित है। लेकिन इस निर्णय का बदलापुर के नागरिकों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। बदलापुर से मुरबाड की दूरी लगभग 30 से 35 किलोमीटर है और वहां पहुंचने में डेढ़ घंटे से भी ज्यादा समय लगता है। साथ ही परिवहन सुविधाओं की कमी के कारण नागरिकों को केवल राज्य परिवहन की पड़ता है, जो अंतराल पर मिलती हैं। ऐसे में रेशन कार्ड संबंधित कार्यों के लिए मुना नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बन जाएगा। इस विषय को गंभीरता से लेते हुए भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के सांसद बाल्या मामा ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार और राज्य के अन्न, नागरी पुरवठा एवं ग्राहक संरक्षण विभाग के प्रधान सचिव को एक लिखित निवेदन सौंपा है।

उन्होंने मांग की है कि बदलापुर रेशनिंग कार्यालय को मुरबाड तहसील में शामिल न किया जाए। बदलापुर में पिछले 20 से 25 वर्षों से रेशनिंग कार्यालय कार्यरत है। इस कार्यालय के अंतर्गत कुल 47,071 राशन कार्डधारक पंजीकृत हैं, जिन पर लगभग 1,76,449 की आबादी निर्भर है। इनमें से 12,068 लाभार्थी कार्डधारकों की आबादी 48,817, 13,748 केशरी कार्डधारकों की आबादी 47,499 और 20,525 शुभ्र कार्डधारकों की आबादी 76,709 है।

पालघर : मुस्लिम भाईयों ने लगाये 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे

पहलगाम हमले का किया निंदा।

तरुणमित्र-ओमप्रकाश द्विवेदी

पालघर। कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा की गयी निर्दोष लोगों पर कायरतापूर्ण हमला का कड़ी निंदा और अफसोस नाक बताते पालघर में मुस्लिम बंधुओं ने शुक्रवार ,25 अप्रैल को शहर के जामा मस्जिद के बाहर जुम्मे की नमाज अदा करने के बाद सामुहिक रुप से इंसानियत के विरुद्ध बताते हुए विरोध प्रर्दशन करते 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के जोरदार नारेबाजी की गयी। बताते चलें कि दहशतगर्दों द्वारा पर्यटकों को निशाना बनाकर देश में अशांति और सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश से मुस्लिम समुदाय भी काफी रोष में है।जिसके फलस्वरूप पालघर में मुस्लिम बंधुओं ने विरोध स्वरूप हाथों में काली पट्टी बांधी और पहलगाम हमले की तीव्र भर्तस्ना करते हुए दोषियों को सबक सिखाने तथा आतंकवादियों के सफाये की भारत सरकार से मांग की। मुस्लिम भाईयों ने मृतक पर्यटकों को श्रद्धांजलि सभा के जरिए दो मिनट मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए खुदा से दरख्वास्त भी किया। पाकिस्तान के झंडे को जलाकर विरोध दर्ज कराया गया।

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर धरमपुर में आक्रोश, मृत पर्यटकों को दी गई श्रद्धांजलि, निकाली गई मौन रैली और कैंडल मार्च

तरूण मित्र,

धरमपुर। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर धरमपुर में आक्रोश है, वहीं लोगों ने मृत पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी और धरमपुर के क्षेत्र में मौन रैली के साथ साथ कैंडल मार्च निकाला गया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए क्रूर आतंकवादी हमले में पर्यटकों की मृत्यु का समाचार सम्पूर्ण देश एवं मानव समाज के लिए अत्यंत दुःखद है। इस हृदय विदारक घटना में मारे गए पर्यटकों की आत्मा की श्रद्धांजलि अर्पित करने व उनकी आत्मा की शांति के लिए धरमपुर समडी चौक पर धरमपुर के नागरिकों ने एकत्रित होकर शांति पाठ किया। उसके बाद नागरिकों ने दो मिनट का मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित किया। दो मिनट का मौन रखने के बाद शहर के मुख्य क्षेत्रों से होते हुए बाबा साहेब अंबेडकर सर्किल तक मोमबत्ती मार्च निकाला गया। वहीं हिंदू संगठनों के नेताओं ने हमले की निंदा की और मृतकों को श्रद्धांजलि दी।

पत्नी पर चरित्र के संदेह में भतीजी समेत पत्नी पर वार

तरुणमित्र/ब्यूरो

पनवेल। पत्नी के चरित्र पर संदेह कर पत्नी समेत भतीजी के पती पर जानलेवा हमला किये जाने की घटना खांदेश्वर पुलिस की हद्द से सामने आई है.इस संबंध में सरफिरे आरोपी पर मामला दर्ज कर जांच सुरु की है। प्राप्त जानकारी अनुसार यह घटना पनवेल के देवद में घटी है. घायल महिला के पिता ने पुलिस को दि शिकायत में बताया है कि वह एक ही इलाके के रहनेवाले है. शुक्रवार रात अचानक आरोपी हरि चव्हाण ने अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह के कारण उनके घर आया और भतीजी पर कोयते से जानलेवा हमला किया.इसके बाद अपनी पत्नी पर भी कोयते से हमला किया. इस दौरान जब दोनों लहूलुहान हो गए तो फरार हो गया.घायल महिला के पिता ने बताया है कि उनकी बेटी और आरोपी के बीच चाचा-भतीजी का संबंध है.लेकिन उसने बेटी के पती और अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह के कारण हत्या का प्रयास किया है।

कपराड़ा के सुखाला गांव में पोषण पखवाड़ा 2025 की पूर्णाहुति, प्रदान की गई कौशल विकास एवं कानूनी जानकारी

तरूण मित्र

वलसाड जिला। वलसाड जिला के कपराडा तालुका के सुखाला गांव में आंगनवाड़ी केंद्र और पीएचसी में पोषण पखवाड़ा-2025 का समापन दिवस पूरा दिन मनाया गया। कपराडा घटक-2 की सीडीपीओ हसुमतीबेन दिवा ने निशाना फलिया स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में सुखाला गांव की किशोरी बालिकाओं को स्वास्थ्य एवं तंदुरुस्ती के बारे में जागरूक किया। नियमित चिकित्सा जांच कराने के साथ-साथ पूर्णा शक्ति के उपयोग को समझने तथा दैनिक आहार में इसका नियमित उपयोग करने की अपील की गई।

सुखाला सेजा की प्रधान नर्स ट्विंकलबेन ने पूर्णा योजना के महत्व और उपयोगिता के साथ-साथ पूर्णा किट के बारे में भी बताया। जिसमें विशेष रूप से कौशल विकास एवं कानूनी जानकारी प्रदान की गई। इसके बाद सुखाला पीएचसी में उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जहां उन्हें एनीमिया के कारण, लक्षण व बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा उनका वजन, ऊंचाई व एचबी टेस्ट किया गया। इनमें से 2 किशोरियों का रक्तचाप कम था, जिनकी चिकित्सा अधिकारी द्वारा जांच की गई तथा उपचार शुरू किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम सुखाला गांव की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बहनों की सक्रिय भागीदारी के साथ-साथ सुखाला पीएचसी के चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के संयुक्त योगदान से सम्पन्न हुआ।

कपास खली वायदा के भाव में तेजी की संभावना- उदय सुरेश भाई ठक्कर

तरुणमित्र / ब्यूरो : ठाणे। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के उदय सुरेश भाई ठक्कर ने कहा कपास खली वायदा के भाव में तेजी आने का अनुमान, इसलिए निवेशक इसके खरीद सौदों में 2,901 रुपये का स्टॉप लॉस लगाएं, तथा ऊपर में भाव 3,045 रुपये तक जा सकते हैं, उसके बाद भाव 3,125 रुपये तक जाने की उम्मीद। अतः इसी के अनुसार रणनीति बनाएं। केस्टर सीड के भाव को ऊपर में 6,475 रुपये पर रेजिस्टेंस मिलने की उम्मीद तथा नीचे में इसके भाव को 6,200 रुपये पर सपोर्ट मिलने के आसार। अतः निवेशक अभी नई पोजिशन नहीं बनाएं, तथा पहले सपोर्ट लेवल को ब्रेक करने दें। अतः इसी के अनुसार रणनीति बनाएं। मेंथा तेल वायदा के भाव में गिरावट आने का अनुमान, इसलिए निवेशक इसके बिक्री सौदों में 955 रुपये का स्टॉप लॉस लगाएं, तथा नीचे में भाव 900 रुपये तक आ सकते हैं, उसके बाद भाव 865 रुपये तक आने की उम्मीद। अतः इसी के अनुसार रणनीति बनाएं।

सिद्धेश्वर तालाब में मछलियों की मौत, प्रदूषण के कारण भाजपा का आरोप

तरुणमित्र / सारा पुरी

ठाणेः ठाणे महानगर पालिका क्षेत्र में तालाबों में प्रदूषण को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा विभिन्न उपायों को लागू किया जा रहा है और तालाब सौंदर्यीकरण परियोजना को क्रियान्वित किया जा रहा है, वहीं गुरुवार को यह बात सामने आई कि महानगर पालिका मुख्यालय से 5 मिनट के अंतर पर स्थित सिद्धेश्वर तालाब में हजारों मछलियां मर गई हैं। भाजपा ने आरोप लगाया है कि तालाब में प्रदूषण के कारण मछलियां मरी हैं, तथा तालाब के किनारों पर मृत मछलियां बिखरी पड़ी हैं। महानगर पालिका प्रशासन ने भी स्पष्ट किया है कि यह घटना तालाब क्षेत्र में बह रहे गंदा पानी से हो रहे प्रदूषण के कारण हुई। ठाणे शहर को तालाबों के शहर के रूप में जाना जाता है। एक समय शहर में 75 से अधिक तालाब थे। लेकिन अतिक्रमण के कारण कई तालाब लुप्त हो गई हैं। वर्तमान में शहर में 35 तालाब हैं। इन तालाबों के अस्तित्व को बचाए रखने के लिए महानगर पालिका प्रशासन द्वारा विभिन्न पहल की जा रही हैं। इसके तहत तालाब के आसपास के क्षेत्र को सुंदर बनाने के साथ-साथ जल शोधन उपकरण भी लगाए जा रहे हैं। इसके बावजूद, यह स्पष्ट है कि महानगर पालिका कुछ तालाबों में जल प्रदूषण को रोकने में सफल नहीं रही है। सिद्धेश्वर तालाब,

पाचपाखड़ी स्थित ठाणे महानगर पालिका मुख्यालय भवन से पांच मिनट के अंतर में शहर के मध्य भाग में स्थित इस तालाब में हजारों मछलियाँ मर गई हैं।

इस तालाब का पानी बड़ी संख्या में जलप्रणी से भरा हुआ है और मृत मछलियों से अटा पड़ा है। इस घटना के बाद महानगर पालिका प्रशासन की आलोचना होने लगी है। सिद्धेश्वर तालाब के आसपास के क्षेत्र में बड़ी संख्या में नागरिक रहते हैं और तालाब में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। तालाब में विभिन्न स्थानों पर जल लिली एकत्रित हो गई हैं। इस तालाब के रख-रखाव का कार्य एक ठेकेदार को सौंपा गया है। इस संबंध में महानगर पालिका के प्रदूषण नियंत्रण विभाग को लगातार शिकायतें मिल रही हैं। इसके बावजूद भी जल लिली को नहीं हटाया गया। पूर्व भाजपा नगरसेवक नारायण पवार ने आरोप लगाया कि इस कारण तालाब की हजारों मछलियां मर गईं। इस संबंध में उन्होंने महानगर पालिका आयुक्त सौरभ राव को भी पत्र देकर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही तालाब में प्रदूषण कम करने के लिए कदम उठाने का भी अनुरोध किया गया है। प्रदूषण रोकने के लिए समूहों का निर्माण सिद्धेश्वर तालाब क्षेत्र में बड़ी आबादी है। इस क्षेत्र में कोई नाले नहीं है, इसलिए वहां का नाले का गंदा पानी तालाब में चला जाता है। इससे तालाब में जलीय पौधे उग रहे हैं, जिन्हें लगातार हटाया जा रहा है। लेकिन, गंदा पानी के कारण वापस आ जाता है। अभी भी जल लिली को हटाने का काम चल रहा है। प्रदूषित पानी के कारण मछलियाँ मर गई हैं। इस तालाब के संरक्षण के लिए कार्य किया जाएगा तथा इसका प्रस्ताव भी तैयार कर लिया गया है। साथ ही, आयुक्त सौरभ राव ने तुरंत लोक निर्माण विभाग को गंदा पानी की निकासी के लिए नाले का निर्माण करने का निर्देश दिया है, ताकि तालाब के पानी को क्षेत्र के सीवेज से प्रदूषित होने से बचाया जा सके, ऐसी जानकारी ठाणे महानगर पालिका की मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान ने दी।

डीपीएस स्कूल में 4 वर्षीय छात्र का यौन शोषण, बस ड्राइवर गिरफ्तार, प्रिंसिपल पर लापरवाही का आरोप

तरुणमित्र/ब्यूरो

नवी मुंबई। नवी मुंबई के सीवूड्स इलाके में स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में एक 4 वर्षीय छात्र के साथ यौन शोषण का चौंकाने वाला मामला सामने आया है. इस मामले में स्कूल बस ड्राइवर के खिलाफ एनआरआई सागरी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है और पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित छात्र के परिजनों के अनुसार, यह घटना 24 अप्रैल की दोपहर को उस समय सामने आई जब बच्चा स्कूल से लौटने के बाद असहज नजर आया. बातचीत में जब बच्चे ने कुछ इशारे दिए, तब परिजनों को शक हुआ और उन्होंने तुरंत स्कूल प्रशासन से संपर्क किया. परिजनों का आरोप है कि स्कूल की प्रिंसिपल ने इस गंभीर शिकायत को नजरअंदाज किया और आरोपी ड्राइवर के खिलाफ कोई तत्काल कार्रवाई नहीं की. बाद में परिजनों ने एनआरआई सागरी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई. पुलिस ने आरोपी बस ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ पोक्सो एक्ट की धारा 4, 8 और 12 के तहत मामला दर्ज किया गया है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है. घटना के बाद स्कूल प्रशासन की लापरवाही को लेकर क्षेत्र में रोष है. कई अभिभावकों ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है और स्कूल से सख्त सुरक्षा उपायों की मांग की है. सोशल मीडिया पर भी लोग इस मामले को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

शॉर्ट सर्किट से डीआरएम ऑफिस में लगी आग, मची अफरातफरी

चंदौली, एजेंसी। चंदौली नगर के यूरोपियन कॉलोनी स्थित डीआरएम ऑफिस बिल्डिंग में शुक्रवार की सुबह आग लग गई। शॉर्ट सर्किट से लगी आग से सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यालय में रखे फर्नीचर, महत्वपूर्ण फाइल आदि जल गए। सूचना पर पहुंचे फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाई।

पं दीनदयाल उपाध्याय रेल मंडल के कार्यालय में लगभग 700 कर्मचारी रहते हैं। चार मंजिला भवन के बीच में खाली जगह है और यहीं पर लिफ्ट लगा है। इसके बगल में सेवानिवृत्त कर्मियों के बैठने के लिए कमरा और कार्यालय बना हुआ है। इसके ऊपर वरीय मंडल सुरक्षा अधिकारी का कार्यालय और एकाउंट विभाग है।

रात में डीआरएम कार्यालय में विभिन्न विभागों के कंट्रोल में ही कर्मचारी रहते हैं। शुक्रवार की भोर में सेवानिवृत्त कर्मियों के कमरे में आग लग गई। जब तक लोगों को पता चलता आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त कार्यालय और एकाउंट कार्यालय तक पहुंच गई।

इस घटना से मौके पर अफरा तफरी मच गई। कर्मियों ने पहले तो अग्निशामक यंत्र से आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग नहीं बुझा सके। कर्मचारियों की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग से सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यालय के कंप्यूटर, एसी, फर्नीचर, महत्वपूर्ण फाइल आदि जल गए। आग की सूचना पर डीआरएम उदय सिंह मीना, वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त जेथिन बी राज सहित अन्य मंडलीय अधिकारी भी पहुंच गए।

बहराइच में बड़ा हादसा: राइस मिल का ड्रायर फटा, पांच मजदूरों की दम घुटने से मौत

बहराइच , एजेंसी। बहराइच जिले के दरगाह थाना क्षेत्र के मोहल्ला गुलाम अलीपुरा स्थिति रजगढिया राइस मिल में ड्रायर फट गया। इससे काम कर रहे पांच मजूदरों की दम घुटने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान कन्नौज के गडवना सौर्य निवासी गफ्फार अली (40), बबलू (28), राजनेश कुमार (35), श्रावस्ती के सिरसिया निवासी जहूर (50) व बिहार के बिहारीगंज मदेहपुरा निवासी बिट्टू शाह (30) के रूप में हुई है।

वहीं सुखदेव, देवी प्रसाद और सुरेंद्र शुक्ला का इलाज मेडिकल कालेज की इमरजेंसी में जारी है। दर्दनाक हादसे की सूचना पर डीएम मोनिका रानी, एसपी रामनयन सिंह, एएसपी नगर रामानंद कुशवाहा समेत आला अधिकारी इमरजेंसी पहुंचे है।

एंगल की वेल्डिंग के दौरान गिरी चिंगारी, फिर हुआ धमाका: डीएम मोनिका रानी की मौजूदगी में घायल सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि मिल में एक एंगल टूट गया था जिसकी वेल्डिंग हो रही थीं। इस दौरान चिंगारी गिरने से धान में आग लग गई। आग लगने के साथ ही जोरदार धमाका हुआ और सब तरफ धुआं धुआं हो गया।

सीएम योगी ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमवंती नंदन बहुगुणा को किया याद, अर्पित की पुष्पांजलि

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा को याद किया और उनकी जयंती के अवसर पर योजना भवन में स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस मौके पर उनके साथ यूपी सरकार की मंत्री रीता बहुगुणा जोशी सहित कैबिनेट के कई अन्य साथी और भाजपा के नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी ने इस मौके पर प्रदेश के लिए उनके योगदान और आजादी की लड़ाई में निभाई गई उनकी भूमिका के लिए याद किया।

अज्ञात वाहन से कुचलकर बाइक सवार युवक की मौत, शिनाख्त के बाद घरवालों को दी सूचना

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी जिले के चौबेपुर क्षेत्र के चंद्रावती बाजार में बृहस्पतिवार की आधी रात में सड़क हादसा हुआ। गाजीपुर से वाराणसी की तरफ आ रहे बाइक सवार को किसी अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। गंभीर अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

यूपी में करीब 1800 पाकिस्तानी, फिलहाल खुद कर रहे वापसी; डीजीपी ने दिए आदेश

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में करीब 1800 पाकिस्तानी नागरिक निवास कर रहे हैं, जिन्हें अब वापस जाना होगा। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने के फैसले ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लोग फिलहाल खुद ही लौटने लगे हैं। वापस जाने की मियाद खत्म होने के बाद उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार के आदेश के मुताबिक पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने की कार्रवाई की जाएगी।

उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो यूपी में करीब 1800 पाकिस्तानी नागरिक रहे हैं, जो पिछले कुछ वर्ष में वीजा लेकर आए लेकिन वापस नहीं गए। उन्होंने सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन भी नहीं किया है। इनमें पाकिस्तान से आए हिंदू शामिल नहीं हैं।

बता दें कि पाकिस्तान से बड़ी संख्या में आए हिंदुओं ने नागरिकता के लिए आवेदन

किया है। यहां बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिकों का शार्ट टर्म और लॉन्ग टर्म वीजा पर आना-जाना होता है, जिसका कच्चा चिट्ठा केंद्रीय खुफिया एजेंसियां और गृह विभाग रखता है। नियमों के मुताबिक पाकिस्तान से आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को जिले के एसपी के पास अपना रजिस्ट्रेशन कराना होता है। वहीं, आईबी के अधीन आने वाला फॉरेन रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) इसे संकलित करता है। केंद्र सरकार के हालिया फैसले के बाद सभी जिलों में निवास कर रहे पाकिस्तानी नागरिकों का लोकल इंटेलिजेंस यूनिट ब्योरा जुटा रही है। जिससे आगे की कार्यवाही को अमल में अमल में लाया जा सके। उदाहरण के तौर पर बरेली में 35, बुलंदशहर में 18, वाराणसी में 10 और रामपुर में 30 पाकिस्तानी नागरिक हैं।

बड़ी संख्या में लोगों की रिश्तेदारियां

यूपी के हजारों मुस्लिम परिवारों की पाकिस्तानी नागरिकों के साथ रिश्तेदारी है। ऐसे में वीजा अवधि खत्म होने पर छिप जाते हैं, अथवा पहचान बदल लेते है। बीते दिनों बरेली में मां-बेटी को पाकिस्तानी नागरिक होने की वजह से सरकारी शिक्षक की नौकरी से बर्खास्त करने के साथ मुकदमा भी दर्ज कराया गया था। वीजा अवधि खत्म होने के बावजूद वापस नहीं जाने पर पुलिस कार्रवाई करती है लेकिन लोग कानूनी दांव-पेच की वजह से बचते रहते हैं।

नेपाल के रास्ते करते हैं घुसपैठ

बिना वीजा के भारत में प्रवेश करने के लिए अधिकांश पाकिस्तानी नेपाल रूट का इस्तेमाल करते हैं। बीते दिनों नेपाल के रास्ते नोएडा आई सीमा हैदर भी इनमें शामिल है। हालांकि अधिकारियों का मानना है कि बांग्लादेशी नागरिकों के मुकाबले इनकी संख्या अधिक नहीं है। तमाम घुसपैठियों द्वारा भारतीय नागरिकता के दस्तावेज बनवा लेने से उनकी पहचान कर पाना आसान नहीं होता है। इनमें से कुछ जासूसी करने के मंसूबे के साथ आते हैं।

सीतापुर के बच्चों ने लहराया परचम, 10वीं के सात... 12वीं के दो बच्चे प्रदेश के टॉप-10 में

सीतापुर, एजेंसी। माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश ने करीब 54 लाख छात्रों की मेहनत का परिणाम जारी कर दिया है। यूपी बोर्ड कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों का इंतजार समाप्त हो चुका है। बोर्ड ने दोपहर 12:30 बजे 10वीं-12वीं का रिजल्ट जारी कर दिया है। यूपी बोर्ड परीक्षा में हाई स्कूल में 90.11 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए। वहीं इंटरमीडिएट में 81.15 फीसदी छात्र उत्तीर्ण हुए।

सीतापुर जिले के बच्चों ने प्रदेश में अपना परचम लगाराय। हाईस्कूल में सात बच्चों ने प्रदेश के टॉप-10 में जगह बनाई। वहीं, इंटरमीडिएट में दो मेधावियों ने टॉप-10 में जगह बनाई।

प्रदेश के टॉप-10 में इन बच्चों ने बनाई जगह: हाईस्कूल में बाबूराम सावित्री देवी इंटर कालेज के अर्पित वर्मा को तीसरी रैंक, सरदार सिंह कान्वेंट की आंचल वर्मा को चौथी रैंक, सीता बाल विद्या मंदिर की आयुषी यादव को छठी रैंक, सीता बाल विद्या मंदिर की गुंजन सिंह को सातवीं रैंक, सेठ रामगुलाम स्कूल की श्रुति मिश्रा को सातवीं रैंक, सरदार सिंह कांवेंट की सिद्धि सिंह को सातवीं रैंक और बाबू राम सावित्री देवी के शिवम यादव को सातवीं रैंक हासिल हुई है।

डिश और इंटरनेट केबल से शुरू हो गई बिजली चोरी, मॉर्निंग रेड में चोरी के नए तरीकों सनसनीखेज खुलासा

लखनऊ , एजेंसी। बिजली विभाग डाल डाल तो बिजली चोर पात पात... यह कहावत लखनऊ के पुराने इलाके में चरितार्थ साबित हो रही है। विभाग बिजली चोरी को रोकने के लिए नए तरीके अपना रहा है। वहीं, बिजली चोर भी ऐसे तरीकों को अंजाम देकर बिजली चोरी में जुट गया जिनको पकड़ना आसान नहीं।

लखनऊ में पहली बार शुक्रवार को मॉर्निंग रेट के दौरान इस सनसनीखेज बिजली चोरी का खुलासा हुआ। लखनऊ सेंट्रल जोन के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल ने बताया शुक्रवार सुबह 5:00 बजे नूरबड़ी के उपखंड अधिकारी अखिलेश यादव ,जूनियर इंजीनियर राजेश कुमार सिंह के संयुक्त नेतृत्व में सहादतगंज के वजीरबाग क्षेत्र में जांच शुरू हुई। इसमें सुहेल और शोएब दो भाइयों के घर तीन डिश केबल के जरिए बिजली चोरी करते दबोचा गया। इनके खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई चल रही है। जूनियर इंजीनियर राजेश कुमार सिंह ने 15 दिन पहले इसी तरह का एक और केस पकड़ा था, जिस पर पूरी तरह वह बिजली चोरी किए जाने के लिए संतुष्ट नहीं थे। जूनियर इंजीनियर ने इस पर होमवर्क किया। इस रणनीति के तहत शुक्रवार को छापामारी करके इस नए खेल का खुलासा किया। चेकिंग दस्ते का मानना है कि बिजली चोरों के सिंडिकेट

ने पूरे प्रदेश में पावर कारपोरेशन को चूना लगाने के लिए यह नया तरीका इजाद किया है।

जूनियर इंजीनियर के पास में जादुई टेस्टर

जूनियर इंजीनियर राजेश कुमार सिंह ने बताया कि डिश और इंटरनेट केबल से हो रही बिजली चोरी को पकड़ने के लिए एक टेस्टर का इंतजाम किया। यह टेस्टर उस तरह काम करता है जैसे जमीन के अंदर केबल फॉल्ट होने के दौरान पता चल जाता। जूनियर इंजीनियर ने बताया जिस डिश और इंटरनेट केबल से बिजली चोरी किए जाने की आशंका होती तो उसके ऊपर से टेस्टर से चेकिंग करते तो बहुत आराम से खुलासा हो जाता है।

पोल पर लग रही आग, जल रहा एबीसी

अधीक्षण अभियंता मुकेश कुमार त्यागी ने बताया कि बिजली पोल पर इंटरनेट और डिश केबल के कटे पिटे तारों से हो रही बिजली चोरी के कारण ही आए दिन आग लगने की दुर्घटनाएं हो रही है। इस संबंध में जिला अधिकारी को पत्र लिखकर पोल पर से तारों को हटाने का अनुरोध किया जाएगा।

अंसल मामले में पांच हजार आवंटियों को बड़ी राहत, अपीलीय कोर्ट ने दिवालिया आदेश पर लगाई रोक

लखनऊ , एजेंसी। अंसल के मामले में राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के आए आदेश से सुशांत गोल्फ सिटी हाईटेक टाउनशिप के करीब पांच हजार आवंटियों को बड़ी राहत मिली है। एनसीएलएटी ने जहां राष्ट्रीय कंपनी अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के फरवरी में अंसल को दिवालिया घोषित करने के आदेश पर रोक लगाई है वहीं टाउनशिप के किसी तीसरे पक्ष के टेकओवर करने की कार्यवाही पर भी रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई 20 मई को होगी। एनसीएलएटी के आदेश को लेकर भाजपा विधायक डा. राजेश्वर सिंह ने भी सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर की है। आवंटी और निवेशक गगन टंडन ने बताया कि एनसीएलएटी ने एनसीएलटी के फरवरी में जारी आदेश पर रोक लगाने के साथ ही एलडीए व अन्य पक्षों को यह छूट दी है कि वह अंसल को दिवालिया घोषित किए जाने के आदेश पर को लेकर एनसीएलटी में अपना पक्ष रख सकते हैं। इसका फायदा यह होगा कि अब एलडीए एनसीएलटी में अपनी बात रखेगा और बताएगा कि एक फाइनेंस कंपनी के बकाया 83 करोड़ रुपये न चुकाने पर अंसल को दिवालिया करने की कार्रवाई बिना एलडीए का पक्ष जाने करना उचित नहीं है क्योंकि एलडीए का तो अंसल पर करीब चार हजार करोड़ रुपये बकाया है। ऐसे में तो सबसे पहले दावा एलडीए का ही बनता है।

अंसल को हाईटेक टाउनशिप का लाईसेंस शासन ने दिया और एलडीए नोडल एजेंसी है और उसने उसका मानचित्र पास किया है। टाउनशिप की शर्तों के तहत अंसल ने एलडीए के पास अपनी जो जमीन बंधक रखी थी। जिसमें यह प्राविधान था कि यदि अंसल किसी कारण कालोनी का विकास नहीं कर पाता है तो एलडीए बंधक जमीन बेचकर विकास कराएगा मगर अंसल ने वह जमीन भी बेच डाली है। ऐसे में कालोनी को टेकओवर करने का पहला अधिकार एलडीए का ही है। वह टेकओवर करेगा तो आवंटियों का पैसा नहीं डूबेगा और उनको मकान व प्लाट मिलेंगे।

गर्मी से चिड़चिड़ेपन का शिकार हो रहे युवा, एसएन मेडिकल में रोजाना आ रहे 100 से 150 मरीज

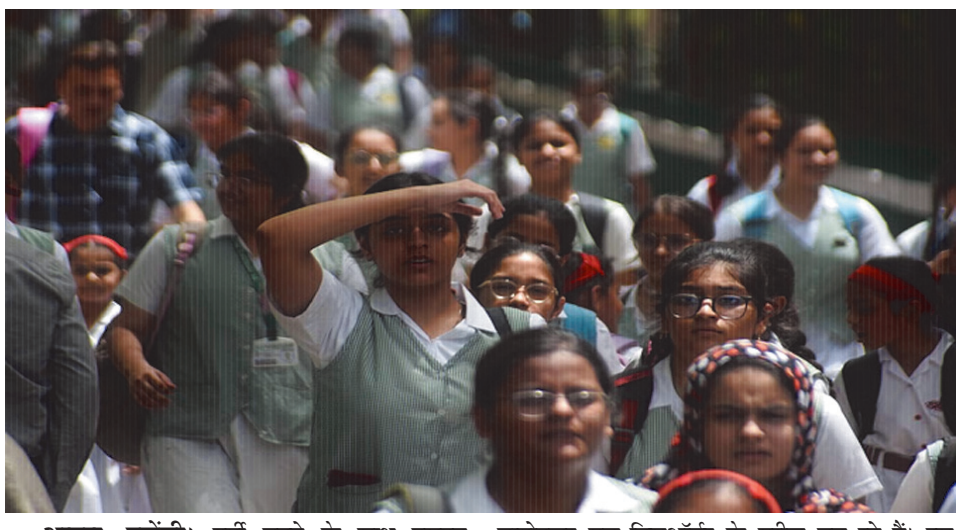

आगरा, एजेंसी। गर्मी बढ़ने के साथ एसएन मेडिकल कॉलेज में दिमागी बीमारी से पीड़ित मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। गर्मी लोगों के मस्तिष्क को भी नुकसान पहुंचा रही है। लोग चिड़चिड़े हो रहे हैं। सिर दर्द और अवसाद के शिकार हो रहे हैं। इसमें अधिकतर पीड़ित 20 से 40 की उम्र के युवा हैं।

एसएन मेडिकल कॉलेज के मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष कुमार गुप्ता ने बताया कि गर्मी की वजह से बायोपुलर मूड डिसऑर्डर के मरीज बढ़ रहे हैं। इस बीमारी में लोगों को अवसाद या सिर दर्द की समस्या हो रही है। ऐसे मरीज ज्यादा बोलने लगते हैं, अचानक गुस्सा हो जाते हैं या फिर अचानक से चुप हो जाते हैं। ऐसा गर्मी में ज्यादा समय तक रहने के कारण होता है। मनोरोग की ओपीडी में रोजाना 100 से 150 से मरीज आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि जो मरीज दिमागी बीमारी की दवा ले रहे हैं वह पर्याप्त पानी पीते रहें। उल्टी होने पर तत्काल ओआरएस घोल का सेवन करें। धूप से बचने के लिए कपड़े या चश्मे का प्रयोग करें। दिक्कत ज्यादा होने पर चिकित्सक से मिलें।

लेडी लॉयल में रोजाना सैकड़ों गर्भवती महिलाएं उपचार के लिए आती हैं। गर्भवती महिलाओं को सीढ़ियों से ही पहले व दूसरे तल पर जाना पड़ रहा है। 100 सैया अस्पताल की इमारत में दोनों ओर लिफ्ट लगी हैं, लेकिन एक लिफ्ट बंद हैं। गर्भवती महिलाएं जान जोखिम में डालकर सीढ़ियों पर चढ़ने को मजबूर हैं। अस्पताल प्रशासन का इससे कोई सरोकार नहीं है।

कबाड़ हो रहा वाटर कूलर: लेडी लॉयल में सैकड़ों महिलाओं के बीच दो ही वाटर कूलर लगे हैं। जहां हमेशा भीड़ लगी रहती है। वहीं दूसरा बड़ा वॉटर कूलर लिनेक ब्लॉक के पास लगा है। जिसके ऊपर बंदर धमा चौकड़ी कर रहे हैं। जबकि यह वाटर कूलर बिल्कुल सही है। अगर इसे सौ सैया अस्पताल की इमारत में लगा दिया जाए तो मरीजों को पानी के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ेगा।

शिफ्ट करवा रहे हैं आरओ: जिला महिला अस्पताल की अधीक्षक रचना गुप्ता ने बताया कि इमारत में दो लिफ्ट लगी हुई हैं। मरीज ज्यादा होने की वजह से कर्मचारी एक लिफ्ट को चालू नहीं कर पाए होंगे। मरीजों और तीमारदारों के लिए अस्पताल में दो आरओ लगे हैं। ठेकेदार को बोलकर पुरानी इमारत के पास लगे आरओ को शिफ्ट करवाया जा रहा है।

तुम सब्जी बेचते हो, मैं कट्टे का व्यापारी हूं...मंडी के भीतर ही मरवा देंगे, दबंगों ने दंपती को दी धमकी

कानपुर, एजेंसी। तुम जागेश्वर सब्जी मंडी में सब्जी बेचते हो, मैं कट्टे का व्यापार करता हूं। मंडी के भीतर ही गोली मरवा दूंगा। दबंगों ने यह धमकी पत्नी से अश्लीलता का विरोध करने वाले पति को दी। धमकी से डरे दंपती ने नवाबगंज थाने में दबंगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। नवाबगंज थानाक्षेत्र की रहने वाली पीड़िता ने बताया कि इलाके का रहने वाला मनीष जायसवाल अपने साथी मोहित के साथ मिलकर आए दिन उन्हें कॉल कर परेशान करता है। विरोध पर गंदी गंदी बातें करता है। इससे तंग आकर जब उसने अपना सिमकार्ड बंद कर दिया।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस: आरोप है कि इसके बाद आरोपी उनके घर के बाहर आए दिन अश्लील लेटर फेंककर जाने लगे, जिसकी तस्वीर घर के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पति ने जब इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उन्हें कॉल कर गाली गलौज और धमकी दी। थानाप्रभारी दीनानाथ मिश्रा ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सरकार की सख्ती... रामपुर से वापस पाकिस्तान भेजा दंपती, 35 पर रखी जा रही नजर

रामपुर , एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार द्वारा भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने के आदेश के बाद रामपुर से एक दंपती सलीम बेगम और उनके पति इंशा उल्ला खां को बृहस्पतिवार को पाकिस्तान भेज दिया गया।

वह शॉर्ट टर्म वीजा पर रामपुर आए थे। इसके साथ ही रामपुर में लॉन्ग टर्म वीजा पर रह रहे 35 पाकिस्तानी नागरिकों पर खुफिया तंत्र व पुलिस की निगरानी तेज हो गई है। पहलगाम आतंकी हमले की घटना के बाद केंद्र सरकार ने बुधवार को कई अहम फैसले लिए थे।

इसके बाद भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को अगले 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने के आदेश दिए गए थे। इस आदेश के बाद रामपुर पुलिस भी सक्रिय हो गई। पुलिस और खुफिया तंत्र की टीम ने सक्रिय होकर यहां पाकिस्तानी नागरिकों की निगरानी तेज कर दी है।

बृहस्पतिवार को रामपुर के कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला हल्के वाली ज्यारत में रिश्तेदारी में आए सलीम बेगम और उनके पति इंशा उल्ला खां को वापस पाकिस्तान रवाना कर दिया गया। बताया जाता है कि यह दंपती 10 अप्रैल को ही रामपुर में अपनी भतीजी के घर आए थे।

इनको 45 दिन का शॉर्ट टर्म वीजा दिया गया था। रामपुर में वह करीब 14 दिन तक रुके। इसके बाद बृहस्पतिवार को रवाना कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर खुफिया तंत्र की टीम ने यहां लॉन्ग टर्म वीजा पर रह रहे 35 पाकिस्तानी नागरिकों पर नजर रख रखी है। उनकी हर गतिविधि देखी जा रही है। एसपी विद्या सागर मिश्र ने बताया कि एक दंपती को बृहस्पतिवार को वापस पाकिस्तान रवाना कर दिया गया है।

आतंकी हमले के बाद 25 लोगों ने रद्द की कश्मीर यात्रा: पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद स्थानीय लोग भी दहशत में हैं। दो माह पहले बुक 140 टिकट बुक कराए गए थे, लेकिन हमले के दूसरे दिन शाम तक 25 से अधिक लोग टिकट रद्द करा चुके हैं। रामपुर से जम्मू जाने के लिए लोग काफी उत्साहित थे और रिजर्वेशन कराया था। दो माह पहले सियालदाह एक्सप्रेस और मंगलवार को चलने वाली गरीबरथ एक्सप्रेस में 143 टिकट बुक हुए थे। लेकिन पहलगाम में हुई आतंकी घटना से हर कोई स्तब्ध है। घटना के बाद से अब लोग दहशत में हैं।

ग्वालियर हाईवे पर जलभराव देख भड़के कांग्रेस जिलाध्यक्ष, कीचड़ में खुद कूद पड़े

आगरा , एजेंसी। आगरा के मलपुरा क्षेत्र के गांव नगला मांकरोल पर जलभराव के विरोध में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष और 2024 लोकसभा चुनाव में गठबंधन प्रत्याशी रहे रामनाथ सिकरवार का अनोखा प्रदर्शन किया। रामनाथ सिकरवार ने विरोध दर्ज कराते हुए हाईवे पर भर पानी में कूद कर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि शासन प्रशासन कई सालों से हो रहे जल भराव की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। हाईवे पर पानी भरा रहता है, जिसकी वजह से कई बार बड़े हादसे भी हुए हैं और लोगों की जान भी गई है।

रामनाथ सिकरवार के साथ दर्जनों कांग्रेस के कार्यकर्ता और स्थानीय लोगों की भीड़ भी एकत्रित हो गई। इस दौरान उन्होंने पानी में बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि जब तक सड़क नहीं बनेगी तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

डेडलाइन से 11 माह पहले ही अयोध्या के तीन लाख से अधिक घरों में पहुंचा नल से जल

तरुणमित्र

अयोध्या । डबल इंजन की सरकार में अयोध्या जिले में स्वच्छ पेयजल की बम्पर बौछार हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार 'हर घर नल योजना' के माध्यम से प्रदेश के हर परिवार को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उसी क्रम में अयोध्या में जल जीवन मिशन के तहत जिले में भी लगभग तीन लाख से अधिक घरों में पेयजल की आपूर्ति कराई गई है। टोटियों से पानी पहुंच रहा है। वह भी डेडलाइन से 11 माह पहले ही।

उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) की ओर से संचालित इस योजना में जिले के 1144 राजस्व ग्राम शामिल किए गए हैं, जिनमें से लगभग 97 फीसदी घरों में नल से स्वच्छ पानी की आपूर्ति शुरू हो चुकी है। अब केवल साढ़े 10 हजार घरों में नल कनेक्शन स्थापित करना शेष है, जिसे जल्द पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। 2199 करोड़ रुपये की योजना की मार्च 2026 है। यह परियोजना न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है, बल्कि लोगों के जीवन स्तर को भी ऊंचा उठा रही है। योजना के तहत स्थापित नल कनेक्शन ग्रामीण महिलाओं के लिए विशेष रूप से वरदान साबित हो रहे हैं, जो पहले दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाने को मजबूर थीं। अब घर-घर नल से स्वच्छ पानी की आपूर्ति ने उनकी दिनचर्या को आसान और स्वास्थ्य को बेहतर बनाया है। जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में कुल 535 परियोजनाओं का निर्माण कराया जा रहा है। इसके तहत 332909 नग गृह जल संयोजन कराया जाना लक्षित है। वर्तमान में 322331 नग गृह जल संयोजन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष कार्य अभी बाकी है, जिसे मार्च 2026 तक पूरा किया जाना है। इस योजना का कार्य 2023 मार्च में प्रारंभ हुआ था। जल निगम के अधिशासी अभियंता अरविंद यादव ने बताया कि इस योजना के तहत जलाशय आदि का भी निर्माण कराया गया है। अब तक 97 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने बताया कि 2025 डेड लाइन थी लेकिन सरकार ने लगभग एक वर्ष का समय बढ़ा दिया है। वहीं गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए जल निगम प्रशासन सार्वजनिक स्थलों पर मटके और पानी के जार की व्यवस्था कर रहा है। इससे राहगीरों और श्रद्धालुओं को स्वच्छ पेयजल आसानी से उपलब्ध हो रहा है। यह कदम विशेष रूप से अयोध्या जैसे धार्मिक और पर्यटन स्थल के लिए महत्वपूर्ण है।

यूपी में भीषण गर्मी में भी नहीं होगा पेयजल का संकट, प्रशासन 24 घंटे अलर्ट

तरुणमित्र

लखनऊ। भीषण गर्मी में भी प्रदेश में पेयजल का संकट नहीं होने पाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट निर्देश है कि एक एक ग्रामीण परिवार को निरन्तर एवं निर्बाध रूप से शुद्ध पेयजल आपूर्ति कराई जाए। इसके लिए 24 घंटे अलर्ट मोड में रहने का निर्देश भी जारी किया गया है। जल आपूर्ति के लिए सभी मण्डलायुक्त अपने स्तर पर बैठक कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराएंगे। इसके साथ ही शासन की ओर से प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजा गया है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले परिवारों को निरंतर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कमर कस ली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उद्देश्य है कि प्रदेश के किसी भी ग्रामीण क्षेत्र में पानी की कमी या संकट की स्थिति न उत्पन्न होने पाए। सभी मण्डलायुक्तों को अपने स्तर पर बैठकें कर पेयजल आपूर्ति की सतत निगरानी और त्वरित समाधान की जिम्मेदारी दी गई है। तहसील, थाना, अस्पताल, आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी पेयजल की व्यवस्था रहेगी। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि जो पाइप पेयजल योजना का अधिकतम उपयोग कर हर घर तक शुद्ध पानी पहुंचाया जाएगा। जहां निर्माण कार्य लंबित है, वहां वैकल्पिक स्रोतों से जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। गर्मी से आमजन को राहत देने के लिए तहसील, थाना, अस्पताल, आंगनबाड़ी केन्द्र जैसे सार्वजनिक और सरकारी परिसरों में प्याऊ या घड़े रखवाने तथा जल की अन्य समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। लू के प्रभाव से बचने और शुद्ध जल के महत्व को समझाने के लिए सूचना, शिक्षा एवं संप्रेषण के जरिए लोगों को जागरूक किया जाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष ने की जिला इकाई पदाधिकारियों के संग बैठक

समाज के उत्थान की दिशा में करें कार्य : प्रदेश अध्यक्ष कुं मनोज भदौरिया

तरुणमित्र

कानपुर : अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा सेंट्रल यूपी प्रदेश अध्यक्ष कुं मनोज भदौरिया के द्वारा जिला फतेहपुर में संगठन विस्तार हेतु होटल रामाड़ियन में बैठक की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष मनोज भदौरिया ने जिलाध्यक्ष विजय सिंह गौर से संगठन के विस्तार को लेकर चर्चा करते हुए संगठन के कार्यों पर विस्तार से जानकारी ली। जिलाध्यक्ष विजय सिंह गौर एवं अन्य जिला पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। प्रदेश संगठन मंत्री पंकज राजावत ने जिला इकाई फतेहपुर से संगठन के द्वारा किए जाने वाले कार्यों जिसमें आगामी महाराणा प्रताप जयंती के कार्यक्रम को वृहद स्तर पर मनाने के निर्देश दिए। प्रदेश अध्यक्ष कुं मनोज भदौरिया ने कहा कि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा एक समाज का संगठन नहीं बल्कि सनातन सर्व समाज का संगठन है हम सभी समाज के उत्थान की दिशा में कार्य करे। तथा राष्ट्र को और मजबूती प्रदान करे। संगठन विस्तार पर चर्चा के समय युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। इस दौरान मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष विजय सिंह गौर एंड विजय सिंह चौहान एड नागेंद्र सिंह प्रदेश संगठन मंत्री पंकज सिंह राजावत अर्पित सिंह राणा आशुतोष सिंह प्रियांशु ठाकुर सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

शाम्भवी त्रिपाठी क्षेत्राधिकारी (प्रशिक्षु) के सम्मान समारोह व विदाई में भाव विभोर हुआ पुलिस परिवार

पुलिस अधीक्षक भदोही व अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा बुके व स्मृति चिन्ह सप्रेम भेंटकर उन्हें अगले पड़ाव के लिए दी गई शुभकामना व बधाई

तरुणमित्र

भदोही। शाम्भवी त्रिपाठी क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षु के जनपद में अपना प्रशिक्षण पूर्ण कर स्थानान्तरण पर सम्मान समारोह व विदाई कार्यक्रम पुलिस लाईन ज्ञानपुर सभागार कक्ष में अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक भदोही शुभम अग्रवाल अपर पुलिस अधीक्षक भदोही व अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा आभार जताते हुए उनके जीवन के नये पड़ाव के लिए शुभकामना व बधाई दिया। पुलिस अधीक्षक भदोही सहित समस्त पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षु को बुके व स्मृति चिन्ह भेंटकर जीवन के अगले एसाईनमेंट के लिए उन्हें शुभकामना देते हुए बधाई दिया गया। उक्त सम्मान/विदाई समारोह कार्यक्रम के दौरान जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारीगण, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाईन ज्ञानपुर उपस्थित रहें।

पीएम के विजन को मिशन मोड में धरातल पर उतार रहे मुख्यमंत्री

- **अटल पेंशन योजना में यूपी नंबर वन, 1.20 करोड़ लोग करा चुके हैं नामांकन**
- **शानदार प्रदर्शन के लिए उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी को मिला है 'अवार्ड ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप' का सम्मान**

तरुणमित्र

लखनऊ। सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश न केवल विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, बल्कि सामाजिक सुरक्षा और समावेशी विकास के क्षेत्र में भी नए आयाम स्थापित कर रहा है। केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं को धरातल पर उतारने में यूपी आज अन्य राज्यों के लिए एक प्रेरणा बनकर उभरा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश ने अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के तहत एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। योजना के तहत राज्य ने अबतक 1 करोड़ 20 लाख लोगों को नामांकित कर लिया है, जो देश में सर्वाधिक है। यह आंकड़ा केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को धरातल पर उतारने में योगी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को मिशन मोड में लागू करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अटल पेंशन योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया है। उनके नेतृत्व में न केवल ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में योजना का प्रचार-प्रसार किया गया, बल्कि बैंकों और अन्य स्टेक होल्डर्स को भी इस अभियान से जोड़ा गया। नतीजतन, यूपी ने योजना के तहत बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले बैंकों और अन्य स्टेक होल्डर्स को पुरस्कृत किया। इतना ही नहीं, पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) द्वारा आयोजित एक विशेष अभियान में भी उत्तर प्रदेश ने बीते वित्तीय वर्ष में 15.83 लाख नामांकन लक्ष्य के सापेक्ष 21.49 लाख नामांकन के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी (एसएलबीसी) को 'अवार्ड ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप' से सम्मानित किया गया है। बता दें कि भारत के 8 लीड बैंक सहित कुल 60 स्टेक होल्डर्स के जरिए अटल पेंशन योजना स्कीम को संचालित किया जा रहा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा और इंडियन बैंक द्वारा क्रमशः सर्वाधिक एपीवाई नामांकन हुआ है। वहीं प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, फतेहपुर और कानपुर नगर भी क्रमशः सर्वाधिक एपीवाई नामांकन कराने वाले जिले हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से न केवल अटल पेंशन योजना जैसी योजनाओं को गति मिली है, बल्कि प्रदेश की जनता को भविष्य में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में भी एक ठोस कदम उठाया गया है। सीएम योगी की यह पहल उन लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है, जो असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत हैं और जिनके पास रिटायरमेंट के बाद आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं होता।

क्या है अटल पेंशन योजना

अटल पेंशन योजना भारत सरकार की एक सामाजिक सुरक्षा योजना है, जो 2015 में शुरू की गई थी, ताकि असंगठित क्षेत्र के 18 से 40 वर्ष के भारतीय नागरिकों को रिटायरमेंट के बाद 1,000 से 5,000 रुपये मासिक पेंशन प्रदान की जा सके। इसमें मासिक, त्रैमासिक या अर्धवार्षिक आधार पर छोटी राशि जमा करनी होती है, जो बैंक खाते से स्वचालित रूप से डेबिट होती है। कम उम्र में शुरू करने पर योगदान कम होता है। यदि खाताधारक की मृत्यु हो जाए तो पेंशन जीवनसाथी को मिलती है और दोनों की मृत्यु के बाद जमा राशि नामांकित व्यक्ति को दी जाती है। इसके लिए आवेदन बैंक, डाकघर या ऑनलाइन किया जा सकता है।

छिनैती करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के कब्जे से 01 छिनैती की एन्ड्रायड मोबाइल व 01 अन्य एन्ड्रायड मोबाइल बरामद

तरुणमित्र

गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम

1.उ0नि0 चंद्रजीत यादव
2.मु0आ0 धीरेंद्र कुमार
3.आरक्षी दिनेश कुमार
4.आरक्षी जयप्रकाश मौर्य
थाना गोपीगंज जनपद भदोही रहा।

भदोही। थाना गोपीगंज पर आवेदक साधना देवी निवासिनी माधोपुर लोहरा खास द्वारा सूचना दिया गया कि थाना गोपीगंज क्षेत्र अंतर्गत राजपूत ढाबा व पाण्डेय ढाबा के बीच ब्रिज के पास मोटरसाइकिल सवार अज्ञात युवक द्वारा मेरा मोबाइल छीनकर भाग गया। घटना के संबंध में प्राप्त सूचना पर अज्ञात के विरुद्ध मु0अ0सं0-167/25 धारा-304 बी.एन.एस. का अभियोग पंजीकृत करते हुए अभियुक्त की पहचान व घटना के शीघ्र अनावरण के प्रयास सहित विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई। अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में अपराध व अपराधियों पर अंकुश एवं प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना गोपगंज पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध वाहन/व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना गोपीगंज पर मोबाइल छिनैती के संबंध में पंजीकृत अभियोग का सफल अनावरण करते हुए छिनैती करने वाले अभियुक्त प्रमोद कुमार बिंद पुत्र राजेश कुमार बिंद उम्र 22 वर्ष निवासी कुरमैचा थाना ऊंज जनपद भदोही को राजपूत ढाबा के पास से गिरफ्तार कर कब्जे से 1 छिनैती की एन्ड्रायड मोबाइल व 01 अन्य एन्ड्रायड मोबाइल बरामद किया गया है । उक्त गिरफ्तारी बरामदगी के सम्बन्ध में मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2) बीएनएस का बढ़ोत्तरी कर विधिक कार्यवाही के उपरांत चालान मा0 न्यायालय किया गया। इसके अन्य घटनाओं में संलिप्तता व आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

सेंट थॉमस इंटर कॉलेज, हाई स्कूल की छात्रा रूपांशी ने विद्यालय और परिवार का नाम किया रोशन

तरुणमित्र

जौनपुर । शाहगंज के सेंट थॉमस इंटर कॉलेज की हाईस्कूल की छात्रा रूपांशी अग्रहरि ने नगर, विद्यालय और परिवार का नाम रोशन किया है। शुक्रवार को घोषित हुए यूपी बोर्ड परीक्षा परिणाम में रूपांशी ने 94.5 प्रतिशत अंक हासिल करते हुए जौनपुर जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया। मेधावी रूपांशी की इस कामयाबी से उनके माता पिता, परिजन, विद्यालय परिवार और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई । सेंट थॉमस इंटर कॉलेज में कक्षा 10 ब की छात्रा रूपांशी के पिता राजकुमार अग्रहरि पेशे से व्यवसायी हैं, नगर स्थित श्रीरामपुर रोड पर उनकी दुकान है। उनका मकान चक्रवर्ती हॉस्पिटल गली सेंट थॉमस रोड पर स्थित है मां नीतू अग्रहरि गृहणी हैं। माता पिता ने रूपांशी की सफलता का श्रेय उसकी कड़ी मेहनत को दिया।

लुढ़की भदोही की रैंकिंग, हाईस्कूल में पांचवीं, इंटर में 52वीं रैंक; विभाग की उम्मीद पर पानी

तरुणमित्र

भदोही। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा का रिजल्ट शुक्रवार को घोषित हो गया। हाईस्कूल और इंटर में जिले को इस बार मायूसी हाथ लगी। 2024 में हाईस्कूल में जिला जहां सूबे में अव्वल था। वहीं, 2025 में पांचवें स्थान पर खिसक गया, जबकि इंटर में 33वीं से 52वें पर पहुंच गया।

इस बार हाईस्कूल में 94.13 प्रतिशत सफलता रही, जबकि इंटर में 80.24 प्रतिशत विद्यार्थी सफल रहे। जिले में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा 12 मार्च को समाप्त हो गई थी। मूल्यांकन के बाद सभी की नजरें परीक्षा परिणाम पर ही टिकी रहीं। शुक्रवार को रिजल्ट जारी होते ही छात्र-छात्राओं में खुशी की लहर दौड़ गई। अबकी बार शिक्षा विभाग को उम्मीद के हिसाब से परिणाम नहीं मिला। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की रैंकिंग प्रदेश स्तर पर नीचे खिसक गई। हाईस्कूल में पहले से पांचवीं और इंटर में 33वें से 52वें पर पहुंच गई।

2023 पर नजर डाले तो हाईस्कूल उससे बेहतर है। 2023 में हाईस्कूल में 25वीं रैंक मिली थी। 2025 की परीक्षा में हाईस्कूल में पंजीकृत 26 हजार 912 विद्यार्थियों में 23 हजार 814 सफल हुए। करीब दो हजार विद्यार्थी फेल हो गए। इंटरमीडिएट में कुल 28 हजार 295 में 26 हजार 932 परीक्षा में शामिल हुए। इसमें 21611 छात्र-छात्राएं सफल हुए, जबकि करीब पांच हजार असफल हो गए।

दुकानों के बाहर डस्टबीन नहीं तो 500 रुपये लेकर देगा निगम, कचरा मिलने पर सौ रुपए जुर्माना

तरुणमित्र

प्रयागराज। नगर आयुक्त साईं तेजा ने शुक्रवार को भारद्वाज आश्रम के पास और आनंद भवन के सामने सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें नालियों की ठीक से सफाई नहीं मिली। इस पर उन्होंने सफाई इंस्पेक्टर पर गहरी नाराजगी जताई।नगर आयुक्त ने साफ निर्देश दिए कि सभी दुकानों के बाहर दो डस्टबीन अवश्य रखवाए जाएं। जिन दुकानों के बाहर और सामने गंदगी मिले, उन पर 100 रुपये और जिनके पास डस्टबीन न हो उन पर 500 रुपये का फाइन लगाया जाए और उन्हें दो डस्टबीन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी आदेश दिया कि डस्टबीन को चूने का घेरा बनवाकर रखा जाए, ताकि स्वच्छता बनी रहे।निरीक्षण के बाद नगर आयुक्त नैनी स्थित बसवार लीगेसी वेस्ट प्लांट पहुंचे, जहां उन्होंने फ्रेश वेस्ट, लिगेसी वेस्ट और सीएंडी वेस्ट प्लांट का निरीक्षण किया। अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि वर्तमान में लगभग 3 लाख टन लिगेसी वेस्ट शेष है, जिसे शीघ्र निस्तारित करने के प्रयास जारी हैं। नगर आयुक्त ने एसएलएफ (साइंटिफिक लैंडफिल) साइट का भी निरीक्षण किया और कचरे से वैकल्पिक ईंधन तैयार करने के लिए कार्यरत कम्पनी को शेडर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने आरडीएफ को सीमेंट कम्पनियों तक पहुंचाने के लिए अन्य कम्पनियों से भी समन्वय बैठाने हेतु मीटिंग करने को कहा। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव, सहायक नगर आयुक्त दीपशिखा पांडेय, पर्यावरण अभियंता उत्तम वर्मा समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सीएंडी प्लांट के निरीक्षण के लिए पहुंचे नगर आयुक्त ने वहां तैयार हो रही टाइल्स और गमले खरीदने की बात कही। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि महाकुम्भ के दौरान निर्माण कार्यों में सीएंडी वेस्ट प्लांट से बनी चेकर्ड टाइल्स और अन्य उत्पादों का इस्तेमाल किया गया है। इस पर नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि डिवाइडरों पर रखने के लिए उनकी साइज में गमले बनाए जाएं। साथ ही उन्होंने निगम की ओर से चल रहे अन्य निर्माण कार्यों में भी प्लांट से बनी ईंटों सहित अन्य उत्पाद इस्तेमाल करने के निर्देश दिए।प्रयागराज नगर निगम (पीएमसी) ने 2021 में बसवार में निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन (सीएंडडी वेस्ट रिसाइकिलिंग) प्लांट स्थापित किया है। नगर निगम न केवल इस संयंत्र से तैयार निर्माण उत्पादों का 40þ खरीद रहा है, बल्कि उन्हें बेचने में भी मदद कर रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इससे नागरिकों को सस्ती और पर्यावरण के अनुकूल निर्माण सामग्री भी उपलब्ध हो रही है।-565 करोड़ की लागत से लगाया गया है प्लांटप्रयागराज स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत स्थापित, यह उत्तर प्रदेश का पहला सीएंडडी प्लांट है। प्लांट में मलबे को सीसी ईंटों, चेकर्ड टाइल्स, पेवर ब्लॉक जैसे उपयोगी उत्पादों में बदला जाता है।

अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद ने कई स्थानों पर फूंका पाकिस्तान का पुतला

तरुणमित्र

मुरादाबाद। अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद ने शुक्रवार को महानगर में विभिन्न स्थानों पर पाकिस्तान का पुतला दहन किया गया। राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रांतीय अध्यक्ष ने कहा कि कि आतंकवादियों की इस कायराना हरकत पर पूरे देश विदेश में उबाल है। लोगों के अंदर जबरदस्त गुस्सा है। केवल धर्म के आधार पर हिंदू होने पर उनका कत्लेआम किया गया, जो की बेहद शर्मनाक है। हिंदुस्तान में हिंदुओं का कत्ल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी आतंकवादियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोरतम दंड (मृत्युदंड) दिया जाए। जम्मू-कश्मीर में हिंदू यात्रियों व पर्यटकों की सुरक्षा के लिए स्थायी व प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के महानगर अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने बताया कि आज महानगर में पीतल बस्ती प्रखंड में गुलाब बाड़ी चुंगी पर, चंद्र नगर प्रखंड के अकबर के किले के सामने, लाजपत नगर प्रखंड में संभल पुल के नीचे, मूंढापांडे प्रखंड ने नेशनल हाईवे जीरो प्वाइंट लक्ष्मीपुर कट्टई पर पाकिस्तान के पुतले फूंके गए हैं।

सैलानियों पर हमले को लेकर विहिप-बजरंग दल का फूंटा गुस्सा

पाकिस्तान का फूंका पूतला, जमकर की नारेबाजी

तरुणमित्र-ओमप्रकाश द्विवेदी

पालघर। कश्मीर के पहलगाम में बेकसूर सैलानियों पर जेहादियों द्वारा किये गये हमलें को लेकर जहां पुरा देश सदमे में है वहीं विहिप-बजरंग दल कायरतापूर्ण हमले को लेकर काफी गुस्से में है और समूचे भारत में दुःखद जघन्य घटना की निंदा करते विरोध प्रर्दशन कर रही है। विहिप-बजरंग दल बोईसर प्रखंड की ओर से शुक्रवार,24 अप्रैल को औद्योगिक शहर बोईसर प.ओस्तवाल एम्पायर, पिंक सीटी के सामने सायं आयोजित मृतक सैलानियों के लिए शोकसभा में विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए। विहीप-बजरंग दल ने पापी पाकिस्तान का पुतला दहन करते जमकर भड़ास निकालते नारेबाजी की और निर्दोष लोगों की हत्या को अक्षम्य अपराध बताते भारतीय सेना पर भरोसा जताते केंद्र सरकार से कठोर कारवाई की मांग की।

विहिप-बजरंग दल पालघर जिले के बोईसर प्रखंड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने पाकिस्तान परस्त आतंकियों द्वारा बेदर्दी से सैलानियों के उपर किये गये हमले की तीव्र भर्तस्ना करते अमानवीय और मानवता के विरोध बताया।

श्रद्धांजलि सभा में मौजूद गण : विहिप-बजरंग दल के श्रद्धांजलि सभा में भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक वडे,प्रशांत संखे,अंकुर राऊत,महेंद्र भोणे, आरबी.सिंह,दुर्गेश सोलंकी,मुकेश राय,हिंदू जन जागृति संस्था के अमितबाबू, हिम्मत जैन,राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के ललित माली, एसएस.तिवारी,समाजसेवी शोभनाथ त्रिपाठी,स्वामीनाथ पाण्डेय, सज्जन(लालाजी) गुप्ता, संजय सिंह,एसएस सिंह,प्रेम अग्रवाल,वंशी अग्रहरि समेत सरकार्यवाहक पालघर जिला रा.स्व.सेवक संघ भानुदास जोगमार्ग,विनोद बाजपेयी, विहिप के फायरब्रांड मुकेश दुबे,श्रीपाद पाटील,काचू शेटी जैसे अनेक जन मौजूद रहे। कार्यक्रम के आयोजन में विहिप के कोंकण प्रांत गोरक्षा प्रमुख चंदन सिंह,प्रखंड प्रमुख एसपी सिंह,जिला मंत्री जयेश घरत, बजरंग दल जिला प्रमुख कुंदन सिंह,प्रखंड प्रमुख राबिन सिंह समेत अन्य पदाधिकारियों की प्रमुख भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन विहिप के प्रखंड मंत्री अरविंद सिंह ने की।

बेटा मादक पदार्थ तस्करी रैकेट में होने से निराश पिता ने खुद को मारी गोली

तरुणमित्र/ब्यूरो

नवी मुंबई। प्रसिद्ध भवन निर्माता गुरुनाथ चिंचकर ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या करने वाली दिल दहला देने वाली घटना शुक्रवार सुबह नवी मुंबई में घटी.यह घटना सुबह उनके निवास स्थान पर घटी. प्राथिमक जांच के अनुसार बेटा मादक पदार्थ तस्करी रैकेट में शामिल होने से निराश होकर आत्महत्या का अंदाज है. पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें एनसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

यह मामला अब न केवल एक आत्महत्या का है, बल्कि इसमें भ्रष्टाचार, दुरुपयोग और दबाव की राजनीति के गहरे संकेत मिल रहे हैं, जो देश की जांच एजेंसियों की साख पर भी प्रश्नचिन्ह लगा रहे हैं।

गुरनाथ चिंचकर बेलापुर के किल्ला गांवठान के यंहा रहते थे. हमेशा की तरह वे सुबह छह बजे ग्राउंड फ्लोर पर आये. इस दौरान उन्होंने अपने कार्यालय में बैठ अपनी ही बंदूक से अपने सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली. जब यह मामला सामने आया तो उनके भतीजे ने एनआरआई पुलिस को इसकी जानकारी दी. जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच जांच सुरु की. इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए सहायक पुलिस आयुक्त अजयकुमार लांडगे ने बताया कि गुरनाथ चिंचकर ने आत्महत्या किए जाने की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. गुरनाथ चिंचकर ने 9 एमएम बंदूक से गोली चलाई.।

आत्महत्या से पहले उनके द्वारा लिखा गया एक नोट मिला है. उनका बेटा मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल है. उन्हें इसी बात का दुख था. संभवतः इसी कारण उन्होंने आत्महत्या की. इस मामले की जांच जारी है।

सुसाइड नोट से एमसीबी के अधिकारी सवालों के घेरे में

गुरुनाथ चिंचकर, कुख्यात ड्रग्स माफिया नवीन चिचकर के पिता थे, जो पहले से ही कई मामलों में एनसीबी की जांच के दायरे में है। सुसाइड नोट के अनुसार, चिंचकर पर एनसीबी के एक उच्च अधिकारी द्वारा लगातार पैसों की मांग की जा रही थी और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। इस दबाव और उत्पीड़न से तंग आकर उन्होंने यह कठोर कदम उठाया. सूत्रों की मानें तो चिचकर ने आत्महत्या से पहले अपने करीबी मित्रों से भी बात की थी और अपने ऊपर बन रहे दबाव की जानकारी दी थी. पुलिस और एनसीबी की टीम अब सुसाइड नोट की जांच कर रही है और आरोपी अधिकारी की भूमिका को लेकर जांच शुरू कर दी गई है. यह मामला सामने आने के बाद एनसीबी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं. अगर आरोप साबित होते हैं, तो यह देश की एक प्रमुख जांच एजेंसी के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है।

42 दिनों में 6 मंजिला मल्टी लेवल कार पार्किंग खारकोपर में तैयार, मिशन-45 के तहत सिडको ने किया निर्माण

तरुणमित्र/ब्यूरो

नवी मुंबई। सिडको द्वारा मिशन 45 के अंतर्गत नवी मुंबई के खारकोपर में सिडको की आवासीय परियोजना में मल्टी लेवल कार पार्किंग का निर्माण कार्य रिकॉर्ड 42 दिनों में पूरा किया गया.सिडको की यह सफलता का जश्न मनाने के लिए शुक्रवार को सिडको के उपाध्यक्ष एंव प्रबंध निदेशक, विजय सिंघल, संयुक्त प्रबंध निदेशक शांतनु गोयल, मुख्य अभियंता (नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा) शीला करुणाकरन, अतिरिक्त मुख्य अभियंता प्रभाकर फुलारी समेत सिडको के अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। सिडको ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 67,000 फ्लैटों की एक विशाल आवास परियोजना का कार्य शुरू किया है. इस योजना के तहत नवी मुंबई के विभिन्न नोड्स में आवास योजना भवनों का निर्माण तेजी से चल रहा है और फ्लैट चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराए जा रहे हैं. मिशन-45 के अंतर्गत उक्त मेगा आवास योजना के पैकेज-4 के अंतर्गत खारकोपर के प्लाट नं. 3 पर मल्टी लेवल कार पार्किंग का काम 4 मार्च को शुरू कर 17 अप्रैल, 2025 को पूरा किया गया. इमारत का निर्माण निर्धारित समय से 3 दिन पहले यानी केवल 42 दिनों में पूरा किया गया. इस तरह के पारंपरिक निर्माण के लिए आवश्यक 6 महीनों को ध्यान में रखते हुए, साढ़े चार महीने का समय बचाया गया है. इस भवन का निर्माण उन्नत एवं विश्व-प्रसिद्ध प्रीकास्ट प्रौद्योगिकी का उपयोग करके अल्प समय में किया गया है. इस निर्माण में कुल 2,212 प्रीकास्ट घटकों का उपयोग किया गया. यह प्लिंथ टु टेरेस आरसीसी प्रकार का यह निर्माण है। **6 मंजिल में 365 कार होगी पार्क** इस भवन की संरचना भूतल + 6 मंजिलों की है, जिसमें 6 मंजिलों का उपयोग पार्किंग स्थल के रूप में और भूतल का उपयोग समाज केंद्र के लिए किया जाएगा. पार्किंग स्थल का निर्मित क्षेत्रफल 1.43 लाख वर्ग फुट है और पार्किंग स्थल में 365 चार पहिया वाहनों की पार्किंग की योजना बनाई गई है. वाहनों के बढ़ते उपयोग और जगह की कमी के कारण शहर में पार्किंग की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है, ऐसे में इस बहुमंजिला पार्किंग स्थल से सिडको आवासीय परिसरों के निवासियों के लिए अपने वाहन पार्क करना आसान हो जाएगा।

पहलगाम आतंकी हमले का असर अमरनाथ यात्रा पर भी पड़ने की संभावना

तरुणमित्र / ब्यूरो

ठाणे। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले का अमरनाथ यात्रा पर बड़ा असर पड़ने की संभावना है। तीर्थयात्रा के लिए मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र अनिवार्य है। प्रतिवर्ष सिविल अस्पताल में प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए भीड़ लगी रहती थी। लेकिन इस वर्ष शुक्रवार को केवल एक तीर्थयात्री ने फिटनेस प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि हमले की वजह से तीर्थयात्रियों की संख्या कम हो सकती है। उल्लेखनीय है कि 22अप्रैल को बिसारन घाटी के निकट हुए इस भीषण हमले में 27 भारतीय पर्यटक मारे गए तथा 16 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। आतंकवादियों ने एक साथ गोलीबारी कर इन पर्यटकों को निशाना बनाया। इस क्रूर घटना से देश में हलचल मच गई है। आतंकवादियों का मुख्य उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में पर्यटक और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने का है। कहा जा रहा है कि पर्यटकों ने भी इसका फायदा उठाया है। जुलाई में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा के लिए भक्तगण अभी से तैयारी कर रहे हैं। यात्रा के लिए मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र अनिवार्य है। सिविल अस्पताल में प्रमाणीकरण चाहने वाले लोगों की संख्या में कमी आई है। ठाणे सिविल अस्पताल ने 8 अप्रैल से अमरनाथ यात्रा के लिए मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है। पहले दिन करीब 75 श्रद्धालुओं ने प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया। हमले के बाद यह प्रमाण पत्र चाहने वालों की संख्या में कमी आई है। शुक्रवार को केवल एक व्यक्ति ने प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सरकार ने मुंबई के सभी मनपा अस्पतालों, ठाणे जिले के सभी मनपा अस्पतालों, सिविल अस्पतालों और उपजिला अस्पतालों में मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने की व्यवस्था की है।ठाणे सिविल अस्पताल के जिला शल्य चिकित्सक डॉ कैलाश पवार ने बताया कि इस वर्ष अब तक मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र के लिए 305 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें 224 पुरुष और 81 महिलाएं शामिल हैं। पिछले वर्ष कुल इस समय तक कुल 1,156 आवेदन प्राप्त हुए थे। हर साल लाखों श्रद्धालु बतादें कि हर वर्ष अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्री जम्मू-कश्मीर पहुंचते हैं। इस वर्ष लगभग पांच लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद थी। लेकिन हमले के बाद राज्य में भय और अनिश्चितता के माहौल के कारण कई श्रद्धालुओं ने अपनी यात्रा की योजना रद्द कर दी है। पर्यटन क्षेत्र को भी बड़ा झटका लग रहा है, होटल और ट्रैवल कम्पनियां बुकिंग के अचानक रद्द होने से परेशान हैं।

पहलगाम हमले की पृष्ठभूमि में दादर में पुलिस की विशेष कार्रवाई - नगर निगम के साथ मिलकर सड़कों से अतिक्रमण हटाया गया

तरुणमित्र / रामकुमार मधुकर

मुंबई - कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले की पृष्ठभूमि में मुंबई का दादर इलाका, जो भीड़भाड़ वाला और मध्यवर्ती क्षेत्र है, वहां शिवाजी पार्क पुलिस थाने की ओर से पिछले दो दिनों से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। भविष्य में किसी भी अनहोनी से बचने के लिए पुलिस ने विभिन्न संस्थानों और भीड़भाड़ वाले दुकानदारों के साथ बैठकें आयोजित की हैं।आज, इस विशेष अभियान के तहत, नगर निगम अधिकारियों के सहयोग से सभी भीड़ वाले मार्गों को फेरीवालों से मुक्त कर साफ किया गया है। शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक विलास दातीर ने बताया कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।दादर पश्चिम क्षेत्र को अत्यधिक भीड़भाड़ वाला माना जाता है। इसी कारण पहलगाम हमले के बाद यहां की सड़कों को खुला किया गया ताकि नागरिकों को राहत मिले और कोई भी संदिग्ध गतिविधि न हो। इस अभियान में रानडे रोड, एन.सी. केळकर रोड, सुविधा शोरूम के सामने की सड़क, एम.सी. जावळे रोड, सेनापति बापट रोड, फूल मार्केट क्षेत्र, प्लाज़ा सिनेमा के सामने की सड़क और वीर कोतवाल उद्यान क्षेत्र की प्रमुख सड़कें साफ की गईं।पुलिस ने न केवल फेरीवालों पर कार्रवाई की, बल्कि इलाके के गेस्ट हाउस, मॉल, थिएटर और सिनेमा हॉल के मालिकों के साथ बैठक कर उन्हें सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने का निर्देश भी दिया। इस बीच, भीड़भाड़ वाले और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस लगातार नजर बनाए हुए है। संदिग्ध लोगों की गहन जांच की जा रही है। वरिष्ठ निरीक्षक दातीर ने बताया कि दादर को फिलहाल अतिक्रमण और अनावश्यक भीड़ से मुक्त किया जा रहा है।

धारावी की 550 एकड़ जमीन के बदले भाजपा सरकार क्या पूरी मुंबई अडानी को दे देगी : सुरेशचंद्र राजहंस

तरुणमित्र / मुंबई ब्यूरो

मुंबई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकारी एजेंसियों की मदद से अडानी देश को लूट रहे हैं। एयरपोर्ट, बंदरगाह, बिजली उत्पादन समेत सभी क्षेत्रों में अडानी का एकाधिकार है और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिम्मेदार हैं।धारावी पुनर्वास परियोजना के नाम पर स्थानीय लोगों को बेघर करने की योजना बनाकर मुंबई की लाखों करोड़ रुपए की जमीन अडानी के गले में डाल दी गई है। धारावी परियोजना के लिए और कितनी जमीन की जरूरत है? क्या केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार धारावी की 550 एकड़ जमीन के बदले पूरी मुंबई अडानी को दे देगी? कांग्रेस प्रवक्ता सुरेशचंद्र राजहंस ने भाजपा सरकार को अड़े हाथ लेते हुए कहा कि मुंबई को लूटने का अभियान जारी है और मुंबई को लूटा जा रहा, उसे मोदीनी के हाथों में सौंपने का काम चल रहा है। सुरेश चंद्र राजहंस ने भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए आगे कहा कि हम यह नहीं मानते कि धारावी एक पुनर्वास परियोजना है, यह सिर्फ अडानी का विकास और धारावी का विनाश है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने कुणाल कामरा को गिरफ्तारी से दी राहत

तरुणमित्र / ब्यूरो

मुंबई: महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नाम लिए बगैर उन पर की गई टिप्पणी मामले में स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को बॉम्बे हाई कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने कामरा की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई पुलिस को आदेश दिया कि उनके 'गद्दार' कमेंट को लेकर उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर मामले में गिरफ्तार न किया जाए। इसके साथ ही कोर्ट से मुंबई पुलिस को चेन्नई में कुणाल कामरा से पूछताछ की अनुमति भी मिली है। अब मुंबई पुलिस चेन्नई जाकर स्थानीय पुलिस की मदद से कामरा का बयान दर्ज करेगी। कोर्ट ने क्या कहा ? जस्टिस सारंग कोतवाल और एसएम मोदक की बेंच ने ये आदेश सुनाया है। बेंच ने कहा कि खार में दर्ज मामले में याचिकाकर्ता को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। मामले की जांच जारी रह सकती है। जांच एजेंसी कामरा का बयान चेन्नई में स्थानीय पुलिस की सहायता से पूरी कर सकती है। इससे पहले 8 अप्रैल को कामरा के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग वाली उनकी याचिका पर बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुनवाई की थी। हाई कोर्ट ने कुणाल को 16 अप्रैल तक संरक्षण प्रदान किया और सभी सरकारी पक्ष से नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा था। कुणाल कामरा पर कितने मामले ? कामरा ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जीवन के अधिकार के मौलिक अधिकार के आधार पर उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी। दरअसल मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में कुणाल कामरा के खिलाफ तीन अलग-अलग मामले दर्ज हैं। इन तीनों मामलों में महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों से जीरो एफआईआर के तहत शिकायतें मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में ट्रांसफर की गई हैं। यह एफआईआर बुलढाना, नासिक और ठाणे जिलों से दर्ज की गई थीं और अब इनकी जांच मुंबई के खार पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है। मुंबई पुलिस ने क्या आरोप लगाए ? मुंबई पुलिस के अनुसार कामरा पर आरोप है कि उन्होंने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस संबंध में कुणाल कामरा को तीन बार पूछताछ के लिए बुलाया गया, लेकिन वह पुलिस स्टेशन में उपस्थित नहीं हुए।

पहलगाम हमला: मुंब्रा में हजारों लोग पाकिस्तान के खिलाफ सड़कों पर उतरे

तरुणमित्र / युसुफ पुरी

मुंब्रा - पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में डॉ. जितेंद्र आव्हाड के नेतृत्व में सैयद अली अशरफ (भाई साहब) की उपस्थिति में मुंब्रा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर काले झंडे लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। हजारों मुंब्रा निवासी आतंकवादी कृत्य के विरोध में सड़कों पर उतर आए और "पाकिस्तान मुर्दाबाद" के नारे लगाने लगे। कश्मीर के पहलगाम इलाके में आतंकवादियों के कायराना हमले में 26 लोग मारे गए हैं। इस हमले के विरोध में राष्ट्रवादी कांग्रेस-शरद चंद्र पवार पार्टी के कलवा-मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष शमीम खान और शानू पठान की अपील पर हजारों मुंब्रा निवासी अपनी तीव्र भावनाओं को व्यक्त करने के लिए सड़कों पर उतर आए। जुमा शुक्रवार की नमाज अदा करने के बाद हजारों लोग कौसा जामा मस्जिद के बाहर एकत्र हुए। वहां विरोध प्रदर्शन करने के बाद उन्होंने रिजवी बाग मस्जिद, एनसीपी-शरद चंद्र पवार पार्टी कार्यालय, तनवर नगर में विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर शमीम खान ने भी सड़क जाम कर दिया। नागरिकों ने रशीद कम्पाउंड में पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए, "पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद को ताकत से मिटाओ, जान हमारी... हिंदुस्तान।" इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि पहलगाम में हुए नरसंहार के लिए जितने भी आतंकवादी जिम्मेदार हैं उसके साथ केन्द्र सरकार भी समान रूप से जिम्मेदार है।

आतंकवादियों की हिट लिस्ट में शामिल इस क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति क्यों कमजोर थी ? डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने पूछा, ''यहां सेना के जवान कहां थे?'' उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले में शहीद हुए लोगों की शवयात्रा देखकर देश के हर घर में आंसू छलक आए।

मुंब्रा और कौसा में भाइयों ने नमाज के बाद हर चौराहे पर पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। यह आंदोलन मानवता का प्रतीक है। जैसे आतंकवादी 26 लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार हैं। यह सरकार भी जिम्मेदार है। इस क्षेत्र में कोई सुरक्षा रक्षक नहीं था; क्या इसका मतलब यह है कि निर्दोष नागरिकों को खुले मैदान में मरने के लिए छोड़ दिया गया? पाकिस्तान से खतरे के बावजूद सेना के जवानों को तैनात न किए जाने का मतलब यह नहीं है कि सरकार ध्यान नहीं दे रही है। सैनिकों की संख्या में 2 लाख की कमी आई है। इसका मतलब यह है कि वहां कोई सेना भर्ती नहीं है। ऐसा लगता है जैसे भारत ने चीन और पाकिस्तान के साथ शांति संधि कर ली है। लेकिन, ऐसी नीति सरकार से सवाल पूछने की नहीं है। अब यह स्वीकार किया जा रहा है कि प्रणाली में त्रुटियाँ थीं। इसका क्या फायद है ? क्या आपने आतंकवादियों के लिए दरवाजे खुले नहीं छोड़े? इसलिए गलतियों के लिए कोई माफी नहीं है। शमीम खान ने कहा कि भारतीय नागरिक इस कृत्य को करने वाले आतंकवादियों को कभी माफ नहीं करेंगे। यह घटना प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की लापरवाही के कारण हुई है...जिन आतंकवादियों ने हमारे भाइयों को गोली मारी है। उन्हें सड़क पर गोली मार दी जाए ऐसी मांग उन्होंने की है।

घोड़बंदर स्थित वाघबिल खाड़ी में मिला महिला शव

तरुणमित्र / ब्यूरो

ठाणे: घोड़बंदर स्थित वाघबिल खाड़ी में गुरुवार दोपहर एक अज्ञात महिला का शव मिला। मामला कासरवडावली पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। पुलिस ने आगे की कार्यवाही के लिए शव को ठाणे जिला सरकारी अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि शव की पहचान नहीं हो पाई है। घोड़बंदर में गणपति विसर्जन घाट के पास वाघबिल खाड़ी के किनारे एक अज्ञात महिला (लगभग 22 से 25 वर्ष) का शव मिला। घटना की सूचना मिलने पर कासरवडावली पुलिस स्टेशन के अधिकारी और कर्मचारी तथा आपदा प्रबंधन विभाग की टीम मौके पर पहुंचे और आपदा कर्मियों की मदद से शव को खाड़ी से बाहर निकाला गया। शव को कासरवडावली पुलिस कर्मियों को सौंप दिया गया है। इस महिला के शव को कासरवडावली पुलिस कर्मियों ने आगे की कार्यवाही के लिए शव वाहन में ठाणे जिला सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, कासरवडावली पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

स्वामी-स्व. कैलाशनाथ प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक स्वतंत्र कुमार द्वारा नवभारत प्रेस लिमिटेड, नवभारत भवन प्लाट नंबर-13 सेक्टर 8 सानपाडा (पूर्व) नवी मुंबई : 470709 से मुद्रित एवं पत्रकार सदन लोकमान्य नगर नं. 4 ठाणे- 400606 महाराष्ट्र से प्रकाशित।
RNI No. MAHHIN/2008/27046 संपादक- स्वतंत्र कुमार सिटी कार्यालय- गाला नं. 61 दादोजी कोंडदेव स्टेडियम खारटन रोड, ठाणे(वेस्ट) महाराष्ट्र, मोबाः 09415287970, 7400223777, 9892789606, कार्यकारी संपादक - शेष नारायण त्रिपाठी
ईमेल tarun.thana@gmail.com, www.tarunmitra.in * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं उत्पन्न समस्त विवाद ठाणे न्यायालय के अधीन होंगे।